सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 30 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 13 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

धान खरीदी से पहले छत्तीसगढ़ में अवैध परिवहन, चिल्फी में 647 बोरा धान जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो रही है और इससे पहले सरकार ने सीमावर्ती जिलों की चौकसी बढ़ा दी है। इसके बावजूद अवैध परिवहन के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। सीमावर्ती चेकपोस्ट पर अवैध परिवहन के साथ ही जिलों में अवैध भंडारण का भी खुलासा हो रहा है। सीमाओं पर चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं और निगरानी के लिए राजस्व, पुलिस, मंडी और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम तैनात की गई हैं।

इस बीच चिल्फी घाटी में संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो ट्रक में भरे कुल 647 क्विंटल अवैध धान को जब्त किया। नायब तहसीलदार ऋतु श्रीवास ने बताया कि जांच के दौरान ट्रक को रोककर पूछताछ की गई। वाहन चालकों ने बताया कि धान उत्तर प्रदेश से लाया जा रहा था, लेकिन वे इस संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। संयुक्त टीम द्वारा धान को जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर जिले में धान खरीदी के दौरान निगरानी और सघन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि जिले में अवैध धान परिवहन को रोका जा सके।

महासमुंद में अलग-अलग जगह कुल 452 कट्टा धान जब्त

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 452 कट्टा धान जब्त किया गया। मंडी सचिव महासमुंद के नेतृत्व में गठित निरीक्षण टीम ने दो प्रतिष्ठानों से कुल 152 कट्टा धान जब्त किया। निरीक्षण के दौरान लाफिंगा खुर्द स्थित श्री भारत भूषण साहू के प्रतिष्ठान में 50 कट्टा तथा ग्राम बम्हनी में खिलावन यादव के प्रतिष्ठान से 102 कट्टा धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया। दोनों ही मामलों में प्रकरण तैयार कर संबंधित विभाग को अग्रिम कार्यवाही हेतु रिपोर्ट भेजी गई है।

इसी प्रकार राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सरायपाली अंतर्गत केंदुवा-सागरपाली मेन रोड पर आकस्मिक निरीक्षण के दौरान एक पिकअप वाहन से 60 कट्टा (लगभग 24 क्विंटल) धान अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया, जिस पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त ग्राम बकमा स्थित शेखर ट्रेडर्स से 240 कट्टा अवैध धान जप्त कर मंडी के सुपुर्द किया गया। जिला प्रशासन ने कहा है कि जिले में धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण के मामले में जांच-पड़ताल का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। धान के अवैध परिवहन, संग्रहण और विक्रय के मामले में विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में लॉन्च 'तुहर टोकन मोबाइल एप', घर बैठे ले सकेंगे टोकन

■ किसानों को समितियों में लंबी कतारों से मिलेगी मुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दो दिन बाद यानी 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार धान खरीदी को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस बीच सरकार ने टोकन व्यवस्था को लेकर नई व्यवस्था शुरू की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 'तुहर टोकन मोबाइल एप' प्रारंभ किया गया है। इस एप के माध्यम से किसानों को घर बैठे धान विक्रय हेतु टोकन की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे समितियों में लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। यह मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने जानकारी दी कि इस ऐप में किसानों को सर्वप्रथम आधार आधारित ओटीपी के माध्यम से पंजीयन करना होगा। किसान प्रतिदिन सुबह 8.00 बजे से इस ऐप के माध्यम से टोकन हेतु आवेदन कर सकेंगे। धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए, सीमांत कृषक (2 या 2 एकड़ से कम भूमि) को अधिकतम 1 टोकन, लघु कृषक (2 से 10 एकड़ तक) को अधिकतम 2 टोकन तथा दीर्घ कृषक (10 एकड़ से अधिक) को अधिकतम 3 टोकन प्रदान किये जायेंगे। नया टोकन बनाने हेतु समय-सीमा रविवार से शुक्रवार तक (प्रात: 8.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक) निर्धारित की गई है। जारी टोकन आगामी 07 खरीदी दिवसों के लिए मान्य रहेंगे।

70 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल एप के लिए रहेगा आरक्षित

धान खरीदी केन्द्र की प्रतिदिन की खरीदी सीमा का 70 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल एप के माध्यम से टोकन हेतु आरक्षित रहेगा। इस 70 प्रतिशत में से लघु एवं सीमांत कृषक हेतु 80 प्रतिशत तथा दीर्घ कृषक हेतु 20 प्रतिशत का आरक्षण किया गया है। उदाहरण स्वरूप यदि किसी उपार्जन केन्द्र की प्रतिदिन की खरीदी सीमा 1000 क्विंटल है, तो मोबाइल ऐप हेतु आरक्षित 700 क्विंटल में से 560 क्विंटल लघु एवं सीमांत कृषकों हेतु तथा 140 क्विंटल दीर्घ कृषकों हेतु आरक्षित रहेगा। शेष 30 प्रतिशत टोकन सोसाइटी स्तर पर भी किसानों हेतु उपलब्ध रहेंगे, जिससे सभी वर्ग के किसानों को धान विक्रय हेतु सहज और सुगम व्यवस्था प्राप्त हो सके। खाद्य विभाग द्वारा विकसित 'तुहर टोकन मोबाइल एप' राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाते हुए खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता, समान अवसर और समय की बचत सुनिश्चित करेगा।

एटीएम उखाड़ा, मेटाडोर में किया लोड और छोड़कर भागे, चोरों की तलाश में पुलिस

दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र के ननकट्टी की घटना, आधी रात पहुंचे थे बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने पूरा एटीएम मशीन ही उखाड़ लिया। एटीएम मशीन को मेटाडोर में लोड भी किया और बाद में उसे गाड़ी के साथ छोड़कर भागना पड़ा। दरअसल वारदात को अंजाम देने के बाद वे भागने वाले थे इतने में बगल के मकान परिवार के लोग जाग गए और आवाज लगाई। यह देख चोर एटीएम मशीन व मेटाडोर छोड़कर भाग गए। घटना नंदनी थाना क्षेत्र के ननकट्टी का है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने एटीएम मशीन व मेटाडोर को जब्त कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने नंदिनी थाना क्षेत्र के ननकठी में हिताची कंपनी के एटीएम को उखाड़कर ले जाने का प्रयास किया। वारदात के दौरान बदमाशों ने बूथ पर लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे मार दिया। जिससे बदमाशों का फुटेज ठीक से नजर नहीं आ रहा है। सड़क के किनारे बने बूथ से एटीएम को उखाड़ने के बाद बदमाशों ने अपने साथ लाए मेटाडोर वाहन में उसे लोड कर लिया था। तभी घर वाले जाग गए और बाहर निकले तो उन्हें देखकर 7 से 8 की संख्या में वारदात को अंजाम देने पहुंचे बदमाश उल्टे पांव भाग गए। घर वालों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची नंदिनी थाना की पुलिस ने मेटाडोर वाहन व एटीएम को अपने कब्जे में ले लिया। मेटाडोर के माध्यम से आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश शुरू कर दिया है।

रात 2 से 2:30 बजे के बीच की घटना

पुलिस ने बताया कि वारदात को रात दो से ढाई बजे के बीच अंजाम दिया गया। बदमाश वारदात को अंजाम देने टाटा कंपनी की मेटाडोर वाहन सीजी 07 एवी 1310 लेकर पहुंचे थे। हिताची कंपनी के एटीएम को उखाड़ने के बाद बदमाशों ने उसे मेटाडोर वाहन में लोड कर दिया था। लेकिन तभी आवाज सुनकर एटीएम बूथ के बगल में रहने वाले परिवार के लोगों की नींद खुल गई। कुछ गलत होने की आशंका से घर वाले बाहर निकले तो उनको देखकर बदमाश मेटाडोर वाहन छोड़कर भागने लगे। घर वालों ने कुछ दूर तक उनका पीछा किया। लेकिन 7 से 8 की संख्या में संभावित बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर गायब हो गए। सूचना पर नंदिनी पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर बारीकी से मुआयना किया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दिया है।

वारदात में इस्तेमाल मेटाडोर भी चोरी की, पुलगांव थाने में दर्ज है मामला

एटीएम उखाड़ने के बाद उसे ले जाने के लिए जिस मेटाडोर वाहन का उपयोग बदमाशों द्वारा किया जा रहा था, वह चोरी की थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पुलगांव थाना क्षेत्र के गनियारी से इस मेटाडोर वाहन की चोरी की गई है। लिहाजा माना जा रहा है कि एटीएम उखाड़कर ले जाने के लिए बदमाशों ने पुलिस को चकमा देने के मकसद से पहले मेटाडोर वाहन को चुराया और फिर ननकठी पहुंचे। नतीजतन मौके पर मेटाडोर वाहन छोड़कर भागने के बावजूद आरोपियों तक पहुंचने में पुलिस को काफी ज्यादा मशक्कत करनी पड़ रही है। फिलहाल आरोपियों तक पहुंचने ननकठी में एटीएम बूथ के नजदीक और गनियारी में मेटाडोर चोरी वाली जगह के आसपास लगी सीसीटीवी कैमरे का फुटेज पुलिस द्वारा खंगाला जा रहा है।

क्षत्रिय करणी सेना के अध्यक्ष ने कहा छत्तीसगढ़ में पुलिसवालों के घर घुसेंगे

वीरेंद्र तोमर के सपोर्ट में कहा- आतंकवादी था क्या, जो जुलूस निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राज शेखावत ने सूदखोर वीरेंद्र तोमर के जुलूस निकालने का विरोध किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट में करीब 1 घंटे तक लाइव आकर समाज के लोगों से कहा कि छत्तीसगढ़ में कुछ पुलिस अधिकारियों ने गलत किया है। तोमर कोई आतंकवादी था क्या जिसका जुलूस निकाला गया।

उन्होंने सरकार को चेताते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज के लाखों लोग बहुत जल्द रायपुर कूच करेंगे। हम उन पुलिस वालों के घर में भी घुसेंगे जो तोमर के घर के अंदर घुसे थे। इसके अलावा शेखावत ने इस कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही है। वहीं 3 महीने पहले राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने रायपुर में कहा था कि हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर का करणी सेना से कोई संबंध नहीं है।

शेखावत ने कहा कि वीरेंद्र तोमर एक व्यापारी था। उसने लोगों को जरूरत पड़ने पर पैसे दिए। उन पैसों को वापस मांगा। वह व्यापारी था इसी तरह लाखों लोग पफाइनेंस का काम करते हैं। लेकिन प्रशासन ने नेताओं के दबाव में आकर उस पर निर्दयता से कार्रवाई की। वीरेंद्र तोमर को तपती धूप में नंगे पैर हथकड़ियों में जकड़कर ले जाया गया। उसकी तबीयत बिगड़ी है वह रोड पर गिर जाता है तो कुछ पुलिसकर्मी उस पर पैर रखकर खड़े करने की कोशिश करते हैं। ऐसे पुलिसवाले डूब मरो। शेखावत बोले की मैं छत्तीसगढ़ आ रहा हूं। जितने भी क्षत्रिय है चाहे वह वहां का लोकल हो या बाहर से आया हो या ओबीसी श्रेणी से आता हो। आप सभी तैयार रहिए जो भी अधिकारी, नेता मंत्री इसमें लिप्त होंगे उसके घर में घुसकर जवाब दिया जाएगा। जिससे यह किसी पर अत्याचार करने से पहले 100 बार सोचे। वीरेंद्र के छोटे भाई के अपराध के लिए केवल उस पर कार्रवाई करनी थी। लेकिन बड़े भाई उसकी पत्नी और मां को जोड़ दिया।

हमलों में 32 गाड़ी तैयार करने का था प्लान, बड़ी तबाही का था मकसद

■ धमाके से जुड़ी एक बड़ी आतंकी साजिश का खुफिया एजेंसियों ने किया खुलासा

नईदिल्ली। दिल्ली के लाल किले के पास हुए एक कार धमाके से जुड़ी एक बड़ी आतंकी साजिश का खुफिया एजेंसियों ने गुरुवार को पर्दाफाश किया है। सूत्रों के अनुसार, संदिग्धों ने कई जगहों पर हमले करने के लिए लगभग 32 पुराने वाहनों को विस्फोटक से लैस करने की योजना बनाई थी। यह खुलासा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे की ओर इशारा करता है।

खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से पता चला है कि चल रही जांच का दायरा लगातार बढ़ रहा है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने हमलों में इस्तेमाल के लिए एक आई20 और एक इकोस्पोर्ट वाहन को मॉडिफाई करने का काम शुरू कर दिया था। जांच टीम अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या सिलसिलेवार विस्फोटों को अंजाम देने की इस व्यापक योजना के तहत इसी तरह के और भी वाहन तैयार किए जा रहे थे।

समन्वित विस्फोटों की योजना

जांच एजेंसियों ने यह भी बताया है कि लगभग आठ संदिग्ध कथित तौर पर चार अलग-अलग स्थानों पर विस्फोटों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। इनमें से प्रत्येक संदिग्ध को एक चुने हुए शहर के लिए नियुक्त किया गया था। प्रारंभिक जांच से यह भी संकेत मिले हैं कि आरोपी समूह एक साथ हमलों के लिए कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लेकर जाने की योजना बना रहे थे।

सूत्रों ने यह भी खुलासा किया कि आरोपियों ने मिलकर लगभग 20 लाख रुपये नकद जुटाए थे। इस रकम को डॉक्टर उमर को सौंपा गया था। कथित तौर पर इस पैसे का इस्तेमाल गुरुग्राम, नूंह और आसपास के इलाकों से लगभग तीन लाख रुपये के 20 क्विंटल एनपीके उर्वरक की खरीद के लिए किया गया था। एनपीके उर्वरक (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, और पोटेशियम का मिश्रण) का इस्तेमाल विस्फोटक सामग्री निकालने के लिए किया जा सकता है, जिससे आईईडी तैयार करने का उनका इरादा स्पष्ट होता है।

बीजापुर आंखफोड़वा जांच के लिए टीम गठित

■ तीन दिन के भीतर आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं को रिपोर्ट देगी जांच समिति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला अस्पताल बीजापुर में हुए नेत्र आपरेशन के बाद जटिलता के मामले में आयुक्त सह संचालक डॉ प्रियंका शुक्ला ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है। यह टीम नेत्र आपरेशन में आई जटिलता के कारणों की जांच एवं घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रकरण की जांच करेगी। इस टीम में राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ निधि अत्रिवाल, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बस्तर संभाग डॉ महेश साण्डिया तथा नेत्र सर्जन जिला चिकित्सालय जगदलपुर डॉ सरिता थॉमस शामिल हैं। यह जांच समिति तीन दिन में अपनी जांच रिपोर्ट को आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

गौरतलब है कि बीजापुर जिला अस्पताल में नेत्र आपरेशन के बाद कुछ मरीजों के मामले में जटिलता देखने को मिली।

मामले की जानकारी मिलते ही आयुक्त सह संचालक के निर्देश पर 9 मरीजों को रायपुर के डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में भर्ती कराया गया एवं इलाज से संबंधित सभी आवश्यक उपकरण एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गयीं। मामले की जांच के लिए बनायी गयी तीन सदस्यीय समिति को निर्देश हैं कि वो शीघ्र ही बीजापुर जिला अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू करें।

बुजुर्गों के लिए नर्क बना छत्तीसगढ़

दारू पीने के लिए पैसे नहीं दिए तो वृद्ध माता को जवान बेटे ने पीट-पीट कर मार डाला। पिता बात-बात पर टोका-टाकी करते थे, इसलिए उसके सिर पर तब्बल दे मारा। कभी घर खर्च के विवाद में माता-पिता की हत्या कर दी तो कभी अवैध संबंध के शक में बुजुर्ग माता-पिता को मार डाला। इन दिनों इस तरह की घटनाएं अक्सर पढ़ने-सुनने में आने लगी हैं। लोग ऐसी खबरों को एक नजर मारकर अनदेखा कर देते हैं। पर अब राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने इसे महत्व देते हुए आंकड़ों में रेखांकित किया है। एनसीआरबी की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ देश में बुजुर्गो के लिए सबसे असुरक्षित राज्य है। यहां वरिष्ठ नागरिकों के प्रति अपराध की दर 89.7 है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली 118.6 के साथ शीर्ष स्थान पर है, उसके बाद 100.4 के साथ मध्य प्रदेश, 99.9 के साथ चंडीगढ़ और फिर छत्तीसगढ़ है। वरिष्ठ नागरिकों की हत्या की सबसे ऊंची दर अपने छत्तीसगढ़ की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में बुजुर्गों की हत्या की दर 3.6 है। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश (3.1), मध्यप्रदेश तथा तमिलनाडु (2.7) आते हैं। बुजुर्गो की हत्या का राष्ट्रीय औसत 1.2 है। अपराध दर की गणना प्रति एक लाख जनसंख्या पर हुए अपराध के रूप में की जाती है। छत्तीसगढ़ की अनुमानित जनसंख्या लगभग 3.3 करोड़ है। देश में 28 राज्य और आठ केंद्र शासित प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में 2023 में हत्या की 72 घटनाओं में 73 वरिष्ठ नागरिकों की मौत हुई, जबकि अरुणाचल प्रदेश में दो घटनाओं में दो हत्याएं, मध्य प्रदेश में 155 घटनाओं में 156 हत्याएं और तमिलनाडु में 201 घटनाओं में 211 हत्याएं दर्ज की गई। चिंतित करने वाली बात यह है कि छत्तीसगढ़ में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। राज्य में वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ2021 में 1,408 मामले, 2022 में 1,632 और 2023 में 1,798 मामले दर्ज किए गए। 2023 में वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों में 2,307 पुरुषों और 214 महिलाओं सहित कुल 2,521 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 2,457 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए गए। 235 लोगों को दोषी ठहराया गया तथा 392 लोगों को बरी कर दिया गया। वर्ष 2023 में 1,520 मामले सुनवाई के लिए भेजे गए, जबकि इससे पिछले वर्ष के 5,032 मामले पहले से ही लंबित थे। इनमें से अधिकांश मामले निकम्मापन और नशे की लत से जुड़े हुए हैं। युवाओं के पास शौक तो हैं पर इसे कमाने की इच्छा लगातार कम हो रही है। अधिकांश ऐसे मामलों में यही देखा गया है कि युवा अपने बुजुर्ग मां-बाप को मिलने वाली वृद्धावस्था पेंशन तक उससे छीन लेते हैं। कभी जमीन बेचने के लिए दबाव बनाते है तो कभी राशन का चावल बेचकर पैसा देने की मांग करते हैं। अन्यान्य अपराधों में वृद्धि भी इसी नई संस्कृति की देन है। अगर अब भी नहीं चेते तो बहुत देर हो जाएगी।

संपादकीय

धमाके के सुलगते सवाल

सजग मजबूत तंत्र विफ्ल करेगा आतंकी मंसूबे

सुरक्षा की दृष्टि से चाकचौबंद मानी जाने वाली देश की राजधानी में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके ने कई ज्वलंत सवालों को जन्म दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के छिद्रों को पाटने की जरूरत के साथ चेताया है कि हमारी जरा सी चूक से आतंकवादियों को फिर से पांव जमाने का मौका मिल सकता है। निश्चित ही यह घटना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। सवाल यह भी उठता है कि चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपराधी कैसे इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ संवेदनशील इलाके में ले जाने में सफ्ल हुए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर के रास्ते उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक फैले कश्मीरी डॉक्टरों के एक समूह ने घटना को अंजाम दिया। इस घटनाक्रम ने पूरे देश को चौंकाया कि समाज में दूसरे भगवान का दर्जा पाने वाले डॉक्टर कैसे लोगों के चिथड़े उड़ाने वाले कृत्य को अंजाम दे सकते हैं? उनकी उस शपथ का क्या हुआ जो डॉक्टर पढ़ाई पूरी करने के बाद लोगों की जीवन रक्षा के लिए लेते हैं? अब तक यह मान्यता रही है कि आतंकवादी संगठनों से वे लोग ही जुड़ते हैं, जो कम पढ़े-लिखे होते हैं और विध्वंसकारी ताकतों के बहकावे में आकर आतंकवाद की राह में उतर जाते हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस आतंक के स्लीपर सैल में डॉक्टरों के समूह का शामिल होना बेहद चिंता का विषय है। जो समाज के उस विश्वास को तोड़ता है कि डॉक्टर हमेशा जीवन देने वाला ही होता है। भविष्य में यह खतरनाक प्रवृत्ति अन्य व्हाइट कॉलर जॉब करने वाले समूह को भी घातक रास्ते पर ले जा सकती है। ऐसे में हमें लाल किले के निकट घटी घटना को गंभीरता से लेना चाहिए और आसन्न खतरे को महसूस भी करना चाहिए।

> **“ अब जब मामले की जांच देश की शीर्ष खुफ्िया एजेंसियां कर रही हैं तो जांच के निष्कर्ष ही हकीकत बताएंगे। लेकिन धमाके का स्तर और उससे हुई जनधन की हानि चिंता बढ़ाने वाली है।**

बहरहाल, लाल किले के निकट की घटना एक आतंकी साजिश थी या बड़ी साजिश को अंजाम देने निकले अपराधियों की चूक से समय से पहले घटी घटना, ये एनआईए की जांच से ही पता चल सकेगा। लेकिन जो क्षति घटनास्थल पर हुई है वह किसी आतंकी घटना से कम तो नहीं है। बहरहाल, राष्ट्रीय राजधानी में हुई घटना के चलते भविष्य के खतरे के मद्देनजर सभी दृष्टिकोणों से मामले की जांच की जानी चाहिए। शायद इसी कारण से दिल्ली पुलिस ने यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम व अन्य कठोर धाराओं में मामला दर्ज करके जांच का दायरा बढ़ाया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के प्रश्न भी हमारे सामने हैं कि कैसे अपराधी इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ राजधानी में ले जाने में सफ्ल हुए। जिसके चलते भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। याद रहे कि अतीत में भी कई बार दिल्ली को आतंक से दहलाने की कोशिशें हुई हैं। हमें उन घटनाओं से भी सबक लेने की जरूरत है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद के मामले में जरा सी चूक भी व्यापक क्षति का सबब बन सकती है। देश को अस्थिर करने की किसी भी साजिश को विफ्ल बनाने और आम लोगों का जीवन सुरक्षित बनाने के लिये सख्त कदम उठाने की जरूरत है। इस नये टेरर मॉड्यूल के मद्देनजर भी निगरानी का दायरा बढ़ाने की जरूरत है। पता लगाने की जरूरत है कि कैसे अपराधी इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ वाया फरीदाबाद दिल्ली पहुंचाने में सक्षम बने। वैसे हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी घटनाओं पर लगभग विराम लगा हुआ था, लेकिन हालिया घटना ने हमारी चिंताओं को बढ़ाया ही है। हमें आतंकवाद को बढ़ावा देने के हर प्रयास को सख्ती से कुचलने की जरूरत है। सजग और सतर्क खुफ्िया तंत्र इसमें निर्णायक भूमिका निभा सकता है। सरकार की कोशिश होनी चाहिए कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। साथ ही इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि इस कांड में सीमा पार सक्रिय आतंकी संगठनों की भूमिका तो नहीं है। बिना बाहरी मदद के इतनी बड़ी साजिश को अंजाम देना सहज नहीं हो सकता। व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल का पनपना हमारी गहरी चिंता का विषय भी होना चाहिए।

भूटान की पॉवर ग्रिड में भारतीय निजी क्षेत्र की बढ़त

पुष्परंजन

भूटान स्वच्छ ऊर्जा के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, जिसमें अडानी, रिलायंस और टाटा ने बड़े पैमाने पर जलविद्युत और सौर परियोजनाएं विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई है। भूटान गए पीएम मोदी को बोलना ही पड़ा कि दरियागंज लालबत्ती विस्फोट में शामिल दहशतगर्दों को हम बख्शेंगे नहीं। भूटान 4 से 17 नवंबर, 2025 तक 'वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव' की मेजबानी कर रहा है। इसमें दुनियाभर के बौद्ध नेता, शांति समर्थकों की शिरकत हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी एक पंथ दो नहीं, तीन काज के वास्ते थिम्पू गए थे। पहला, थिम्पू में चल रहे वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव में भागीदारी। दूसरा, भूटान के चौथे नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती पर शुभकामना देना। और तीसरा, 1020 मेगावाट पुनात्सांगछू-द्वितीय जल-विद्युत परियोजना का उद्घाटन।

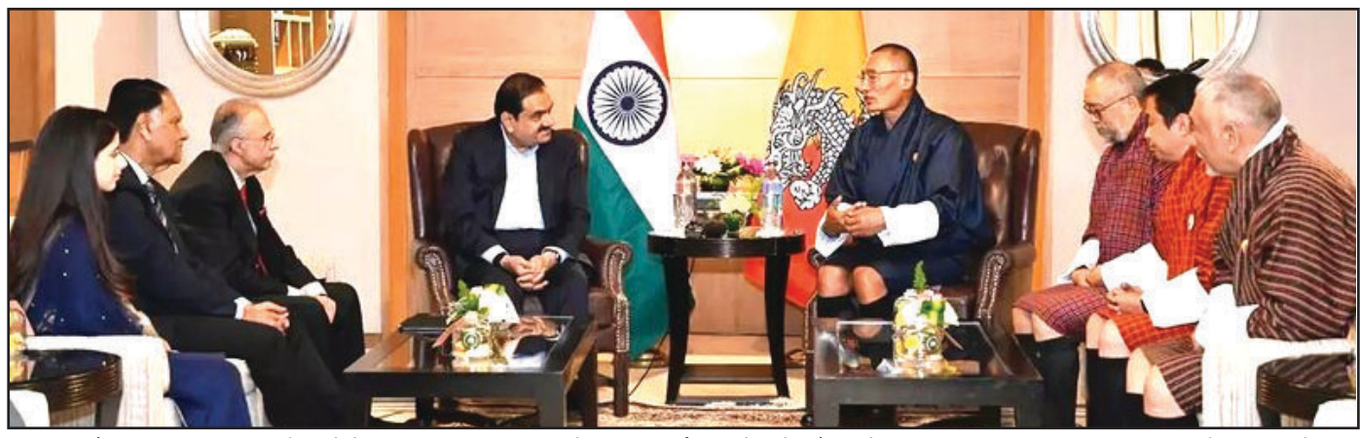

हिमालय के ग्लेशियरों से निकली फोछू और मोछू नदियों की धारा से निर्मित पुनात्सांगछू नदी, दक्षिण की ओर बहकर पश्चिम बंगाल के मैदानों में प्रवेश करती है, और अंततः ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। अगस्त, 2025 में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने पुनात्सांगछू-द्वितीय जलविद्युत परियोजना की दो इकाइयों को चालू कर दिया था। लेकिन, इसका उद्घाटन कार्यक्रम बाक़ी था। पीएम मोदी ने कहा कि इससे भूटान के जलविद्युत उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि होगी, और भारत को इससे बिजली का निर्यात होगा।

पश्चिमी भूटान के वांगडू फोडरंग जिले के पुनात्सांगछू जलविद्युत परियोजना के लिए जुलाई, 2006 में समझौता हुआ था। यह परियोजना दो चरणों में विकसित की गई। यह दिलचस्प है, कि पुनात्सांगछू-द्वितीय जलविद्युत परियोजना अभी पूरी नहीं हुई। भूवैज्ञानिक समस्याओं के कारण इसमें काफी देरी हुई है। इस परियोजना को 2013 और 2019 में ढलानों में आई खराबी के कारण भारी नुकसान हुआ था। 31 मार्च, 2025 को पुनात्सांगछू-द्वितीय हाइड्रो प्रोजेक्ट का अपडेट था, कि इसका 87.75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन इसके चालू होने की कोई निश्चित तिथि तय नहीं है।

पीएम मोदी की इस यात्रा में भारत और भूटान ने 7 समझौते किए, जिसमें 4000 करोड़ रुपये का ऊर्जा ऋण, 1020 मेगावाट की पनबिजली परियोजना का उद्घाटन और 89 किमी लंबी दो नई रेल लिंक परियोजनाओं की मंजूरी शामिल है। 4000 करोड़ रुपये का ऊर्जा ऋण क्या भावी परियोजनाओं पर खर्च होंगे? भूटान स्वच्छ ऊर्जा के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, जिसमें अडानी, रिलायंस और टाटा ने बड़े पैमाने पर जलविद्युत और सौर परियोजनाएं विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई है।

भूटान, वर्ष 2030 के दशक की शुरुआत तक 1.9 गीगावाट से अधिक बिजली उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार है। उसकी ऊर्जा महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए भारत के तीन प्राइवेट प्लेयर्स ने लीड लेनी शुरू की है। अडानी का 570 मेगावाट का वांगछू प्रोजेक्ट, टाटा का 600 मेगावाट का खोलोंगछू और रिलायंस का 500 मेगावाट का सौर ऊर्जा फार्म शामिल है। सितंबर, 2025 में, ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन (डीजीपीसी) और अडानी पावर ने 570 मेगावाट वांगछू जलविद्युत परियोजना के लिए शेयरधारक समझौते और रियायत पर हस्ताक्षर किए। यह उनकी व्यापक 5 गीगावाट साझेदारी के तहत पहली बड़ी परियोजना है। वांगछू प्रोजेक्ट पर निर्माण कार्य 2026 में शुरू होने की उम्मीद है, जिसकी विकास अवधि पांच वर्ष होगी, जिससे लगभग 2031 तक पहली बिजली इकाई उत्पादन कर सकेगी। यह परियोजना नए द्विपक्षीय निवेश ढांचे के तहत किसी निजी भारतीय समूह के साथ भूटान का पहला मेगा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट होगा, जिसे डीजीपीसी के माध्यम से भूटानी नियंत्रण बनाए रखते हुए विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

रिलायंस पावर, ड्रुक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स की सहायक कंपनी ग्रीन डिजिटल के साथ मई, 2025 के अपने संयुक्त उद्यम के तहत, पश्चिमी और मध्य भूटान में अब तक के सबसे बड़े सौर निवेश करने जा रही है। 500 मेगावाट के सौर फार्म डेवलप करने के वास्ते अनिल अम्बानी के रिलायंस पावर ने एक दीर्घकालिक विद्युत क्रय समझौते (पीपीए) के लिए एक वाणिज्यिक टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं, और ईपीसी निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है।

रिलायंस पावर 2026 के अंत तक बिजली उत्पादन शुरू कर देगा और 2027 के मध्य तक 500 मेगावाट पूरी क्षमता से चालू हो जाएगी। यह परियोजना भूटान में जलविद्युत के अलावा पहली बार बड़े पैमाने अक्षय ऊर्जा के संतुलन की रणनीति को दर्शाता है।

इस लक्ष्य के लिए डीएचआई के साथ रिलायंस पावर के अक्तूबर, 2024 के रणनीतिक समझौते में, मध्य भूटान में 770 मेगावाट की चमखरछु-द्वितीय रन-ऑफ-रिवर परियोजना भी शामिल है। चमखरछु-द्वितीय परियोजना भारत को भूटान के जलविद्युत निर्यात को बूस्टर डोज़ देगी, और संभवतः 2030 के दशक की शुरुआत तक भारत को अपनी पहली बिजली आपूर्ति शुरू कर देगी।

टाटा पावर ने भूटान में अपनी उपस्थिति भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान के सहयोग से मजबूत की, जिसका समापन जुलाई, 2025 में हुआ, जब उसने खोलोंगछू हाइड्रो पावर लिमिटेड (केएचपीएल) में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल की। त्राशियांगत्से में स्थित यह परियोजना, डीजीपीसी के साथ संयुक्त रूप से विकसित भूटान के सबसे तकनीकी रूप से जटिल उपक्रमों में से एक है। इसके वित्तपोषण के लिए, केएचपीएल ने एक ऋण प्राप्त किया। वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही में भारत के पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन से 48 बिलियन (लगभग 580 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का सावधि ऋण प्राप्त होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्माण पूर्ण वित्तीय सहायता के साथ आगे बढ़ सके। अनुमानित पांच वर्षों के निर्माण के साथ, 600 मेगावाट की यह परियोजना 2030-2031 के आसपास चालू होने वाली है।

जून, 2025 में जारी राष्ट्रीय ऊर्जा नीति के अनुसार, भूटान का लक्ष्य 2040 तक अपनी कुल स्थापित क्षमता को 25 गीगावाट तक बढ़ाना है। भूटान का लक्ष्य 20 गीगावाट हाइड्रो से, और 5 गीगावाट सौर एवं पवन ऊर्जा से विद्युत का दोहन करना है। यह रणनीति भूटान की घरेलू ज़रूरतों को पूरा करने के साथ-साथ विद्युत निर्यात को आगे बढ़ाने देने पर केंद्रित है, ताकि साल भर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निजी भागीदारी के साथ, भूटान का नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो, अगले दशक में अपनी वर्तमान स्थापित क्षमता 2.3 गीगावाट से दोगुने से अधिक होने की राह पर है।

अगले दो वर्षों में भूटान के पावर ग्रिड में विविधता लाने में सौर ऊर्जा अग्रणी भूमिका निभाएगी। लेकिन, जलविद्युत का दीर्घकालिक विस्तार थमेगा नहीं। रिलायंस के साथ 500 मेगावाट की सौर ऊर्जा साझेदारी सर्दियों में गर्मी का अहसास दिलाएगी, और रोज़गार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगी। इसके साथ अडानी और टाटा की जलविद्युत परियोजनाएं 2030 के दशक में भूटान के निर्यात राजस्व को मज़बूत करेंगी, जिससे हिमालय में कार्बन-मुक्त नवीकरणीय ऊर्जा केंद्र बनने के भूटान के व्यापक लक्ष्य को बल मिलेगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है, कि भारत की ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं के विस्तार में चीन आड़े नहीं आ रहा!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नीतीश कुमार ने बिहार की तस्वीर - तकदीर बदली है

अजय दीक्षित

तत्कालीन बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और 1951 के जन्मे 74 वर्षीय राजनेता नीतीश कुमार ने 2005 में मुख्यमंत्री बनने के बाद 20 वर्षों में बिहार की तकदीर और तस्वीर बदलदी है उन्होंने बिहार का जंगल राज समाप्त कर दिया है।2025 का बिहार विधानसभा चुनाव राजग उनके नेतृत्व में ही लड़रहा है । 6 नवम्बर को 121 सीटों पर वोट डाले जा चुके हैं। दूसरे और अंतिम चरण के मत शेष 121 स्थानों पर 11नवम्बर को डाले जाएंगे।

नीतीश कुमार की राजनीति पर नजर डाले उन्होंने 1996 का चुनाव लोकसभा का लड़ा। नालंदा जिले से आने वाले नीतीश कुमार पर कभी भी कोई आरोप नहीं लगा है।वे मप्र के कैलाश जोशी है ।

नीतीश कुमार को नजदीक से जानने वाले कहते हैं कि उन्होंने राजनीति में रहते कभी परिवार के लोगों को सत्ता का लाभ नहीं दिया न ही उन्होंने किसी उद्योगपति, ठेकेदार, नौकरशाह, मंत्री को नियम से बाहर फायदा पहुंचाया।

एक बार 2000 के विधानसभा चुनावों में वे इस बात के लिए परेशान थे कि चुनाव का खर्च किस प्रकार मैनेज किया जाए। तत्कालीन समय में प्रमोद महाजन ने उनकी इस समस्या को दूर किया था। नीतीश कुमार के पिता रामलखन सिंह जय प्रकाश नारायण के निजी सचिव थे। लेकिन उनकी इच्छा थी नीतीश कुमार पड़ लिख कर नौकरी करें क्योंकि उनको परिवार चलाने में दिक्कत होती थी। नीतीश कुमार ने भी उनकी इच्छा का सम्मान कर राज्य बिजली विभाग में सहायक अभियंता की नौकरी कर ली। लेकिन उनका मन राजनीति में रमता था।वे बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र संघ के दो बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए। नीतीश कुमार की पत्नी को हमेशा यह शिकायत रही कि समय पर उपस्थित नहीं रहते थे।

राजनीतिक दल के रूप वे जॉर्ज फर्नांडिस के अनुयायियों में थे । समता पार्टी उन्होंने शरद यादव के साथ मिलकर बनाई।

शरद यादव से मतभेद के चलते उन्होंने जनता दल यूनाइटेड बनाया और आज भी वे उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

कुर्मी समुदाय से आने वाले नीतीश कुमार ने राजनीति का को पहले जय प्रकाश नारायण, फिर चंद्रशेखर से समझा ।

बिहार की जाति परख राजनीति में उन्होंने नया तबका खड़ा किया जिसे अब अति पिछड़ी जाति कहते हैं जिसमें धोबी, कुम्हार, निषाद, पासवान, धानुक,कोइरी,जाटव ,आदि जातियां आती हैं।उनको भारतीय जनता पार्टी का संग खूब पसंद है और दो बार विमुक्त होने के बाबजूद फिर से 2023 में राजग में बापिस आ गए। नीतीश कुमार 2005 में मुख्यमंत्री बन गए थे तब से अब तक मुख्यमंत्री है। भारत वर्ष सबसे अधिक 9 बार मुख्यमंत्री की शपथ ले चुके हैं।2005 से पहले अटल बिहारी वाजपेई सरकार में केंद्रीय कृषि,रेल, और खाद्य ब उर्वरक मंत्री भी रह चुके हैं। लालू प्रसाद यादव जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार की परिस्थितियों बहुत खराब थी एक तरह से जंगल राज ही था। पूरे बिहार लूट, हत्या, अराजकता का माहौल था।

लोग भले जहरीली हवा में सांस लेते रहें

क्या उससे इस बात से परदा हटेगा कि दिवाली को- जिस रोज एक्यूआई के अति असामान्य स्तर तक जाता रहा है- अधिकांश मशीनें बंद क्यों थीं? और क्या सचमुच मशीनों के पास जल छिड़काव कर स्थिति बेहतर दिखाने की कोशिश हुई?

आरोप पहले से लग रहे थे। अब ये बात सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही में भी दर्ज हो गई है। बात अदालत की तरफ से नियुक्त न्यायमित्र ने बताया कि दिवाली के दिन दिल्ली में प्रदूषण की निगरानी करने वाले 37 में सिर्फ नौ केंद्र काम कर रहे थे। यानी 28 केंद्र या तो बंद थे या उन्हें बंद कर दिया गया था। नतीजा यह हुआ कि दिवाली को राजधानी में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) कहां तक पहुंचा, इसका अंदाजा ही नहीं लगा। जो आंकड़े लोगों को सामने आए, तजुर्बे के बरक्स उन पर यकीन करना सबके लिए कठिन था, मगर लोगों के पास उसके अलावा विकल्प भी क्या था! आम आदमी पार्टी के नेताओं ने तभी मशीनों से छेड़छाड़ का इल्जाम लगाया।

उन्होंने ऐसे वीडियो भी जारी किए, जिनमें निगरानी केंद्रों के आसपास जल का लगातार छिड़काव होते दिखाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा इसलिए किया गया ताकि मशीनों में प्रदूषण की मात्रा कम होकर दर्ज हो। अब न्यायमित्र ने सवाल उठाया है कि जब सरकार के पास वास्तविक आंकड़े ही नहीं थे, तो आखिर राजधानी में ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) कैसे लागू कर दिया गया? सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों से इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

मगर बड़ा सवाल है कि क्या उससे इस बात से परदा हटेगा कि दिवाली के दिन- जिस रोज एक्यूआई के अति असामान्य स्तर तक जाता रहा है- उस दिन अधिकांश मशीनें बंद क्यों थीं? और क्या सचमुच मशीनों के पास जल छिड़काव कर स्थिति बेहतर दिखाने की कोशिश हुई? ऐसा हुआ, तो यह किसके निर्देश पर हुआ? क्या ऐसे अधिकारियों की जवाबदेही तय हो सकेगी? सारा मुद्दा इसलिए ज्यादा समस्याग्रस्त दिखता है।

चैंपियन रहे बिहार के मतदाता

डॉ नीतू कुमारी नवगीत

बिहार की भूमि लोकतंत्र की जन्मदात्री है। ऐतिहासिक साक्ष्यों से साबित हुआ है कि बिहार के वैशाली में ही लोकतंत्र के प्रथम सफल प्रयोग हुए। बिहार राजनीतिक रूप से एक जागरूक राज्य भी है। लोकतंत्र के भाग्य विधाता मतदाताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार भागीदारी निभाते हुए इस बात की पुष्टि की है कि क्यों देश में बिहार को राजनीतिक रूप से जागरूक और प्रतिनिधि राज्य माना जाता है।

चुनाव आयोग द्वारा जो अनंतिम आंकड़े जारी किए गए हैं उसके अनुसार इस बार के चुनाव में 66.91 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बिहार के 73 सालों के चुनावी इतिहास में पहली बार राज्य के मतदाताओं ने इतनी बम्पर वोटिंग की है।इससे पहले वर्ष 2000 में 62.57 प्रतिशत मतदान हुआ था । बिहार की महिलाएं लगातार बढ़त बनाई हुई हैं । इस बार भी महिलाओं ने पुरुषों से लगभग 8.8 प्रतिशत अधिक मतदान किया है ।

भारत निर्वाचन आयोग ने इसको विशेष मतदाता पुनरीक्षण और व्यापक जन भागीदारी सहित सभी सम्बंधित पदाधिकारी और जनजागरूकता से जुड़े लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया है ।

भारतीय संविधान लागू होने के उपरांत मतदाताओं की भागीदारी के आधार पर यह बिहार का सबसे सफल चुनाव रहा। महिला मतदाताओं का जोश पुरुष मतदाताओं से भी अधिक रहा। दूसरे चरण के मतदान में 74त्न से भी अधिक महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जबकि मात्र 65त्न पुरुषों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोनों चरणों के मतदान के दौरान महिलाओं की भागीदारी अधिक रही। कुल मिलाकर जहां 65.08 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया वहीं 68.76 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाई। बिहार की महिलाओं की यह सजगता काबिले तारीफ है। चुनाव आयोग के मतदाता जागरूकता अभियान की स्वीप आइकॉन के रूप में जहां कहीं भी मैं मतदाताओं की मतदान की जरूरत के संबंध में बताने गई, रिस्पांस बहुत अच्छा रहा। बिहार के लोग चुनाव को लेकर उत्साहित रहते हैं। इस बार मतदाताओं ने चुनाव को उत्सव के रूप में मनाया। लोक आस्था के महान पर्व छठ के ठीक बाद हुए चुनाव में मतदाताओं ने वैसे ही बढ़-कर कर भाग लिया जैसे अपने लोकोत्सव को मनाया। मतदान प्रक्रिया में इतनी अच्छी भागीदारी लोकतंत्र की जीत है, बिहार की जीत है। चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपादित करने में 8.5 लाख से अधिक कर्मचारियों, 1.4 लाख से अधिक पोलिंग एजेंट, 243 जनरल ऑब्जर्वर, 38 पुलिस ऑब्जर्वर, 67 एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर ने भी अपनी भूमिका निभाई। सभी अपनी शानदार भूमिका के लिए बधाई के पात्र हैं। इस चुनाव की प्रक्रिया को देखने और समझने के लिए दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, थाईलैंड, फिलिपींस, बेल्जियम और कोलंबिया के 16 प्रतिनिधि भी आए जिन्होंने बिहार में हुए इस शानदार चुनाव और जनता के उत्साह को देखा, समझा और महसूस किया।वस्तुतः लोकतंत्र का महापर्व चुनाव ही है। पिछले कुछ चुनाव में जनता की कम भागीदारी चिंता का विषय रहा है लेकिन इस बार बिहार के मतदाताओं ने नई राह दिखाई है। अपार उत्साह और रिकॉर्ड वोटिंग के साथ उन्होंने संदेश दे दिया है कि लोकतंत्र में उनकी गहरी आस्था है। आगे का काम जनप्रतिनिधियों का होगा। चुनावी प्रक्रिया में जिन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए विधानसभा में जाने का मौका मिलेगा, उन सब को जनता के विश्वास पर खड़ा उतरना होगा। अपनी भूमिका सशक्त तरीके से निभानी होगी ताकि जनता का भरोसा न सिर्फ उन पर बना रहे, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी बना रहे। जय लोकतंत्र जय बिहार की जनता । (डॉ नीतू कुमारी नवगीत बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान पटना जिला में निर्वाचन आयोग की मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप आइकॉन रही। वह बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका हैं।)

(लेखिका स्वीप आइकॉन, निर्वाचन आयोग हैं)

-: सब धरा रह जाएगा :-

कितना भी करले जतन, सब यहीं धरा रह जाएगा
छींक की तरह आयेगी मौत, रुमाल जेब में रह जाएगा
मेरा ये है मेरा वो है, बस ये तेरे मन का भरम है
कोसना खुद को एक दिन, और कहना ये मेरे करम है
कोई न आया तेरे संग, कोई न संग तेरे जाएगा
छींक की तरह आयेगी मौत, रुमाल जेब में रह जाएगा
खाली हाथ हुए थे पैदा, फिर बन गए अमीर गरीब
जिसके पास है जितनी दौलत, क्या वो है खुश नसीब
अंत काल आएगा इनका, मुहँ से गंगाजल गिर जाएगा
छींक की तरह आयेगी मौत, रुमाल जेब में रह जाएगा
आली शान महला-दु महला, उसपे मंहगी रसोई
जानें सब मृत्यु अटल है, पर माने ना कोई
हर कोई जाएगा चार कंधे पे, फिर राख में मिल जाएगा
छींक की तरह आयेगी मौत, रुमाल जेब में रह जाएगा

डॉ. अरुण मिश्रा अकेला

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

फॉर्म भरवाने संभायुक्त के घर पहुंचे बीएलओ

दुर्ग। जिले में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को

उच्च प्राथमिकता देते हुए आज संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर को एसआईआर कार्यक्रम के तहत बूथ लेवल ऑफिसर ने उनके घर जाकर गणना पत्रक दिया। आयुक्त राठौर का नाम विधानसभा क्षेत्र दुर्ग शहर 64 के मतदान केन्द्र क्रमांक 177 के सरल क्रमांक 546 में दर्ज है। निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है, जिसमें 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक मतदाताओं को गणना पत्रक प्रदाय किये जा सकेंगे। संभागायुक्त ने मतदाताओं से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलओ को सहयोग प्रदान करें।

आयुक्त ने दिए पानी टंकी निर्माण में तेजी के निर्देश

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक-3 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत निर्माणाधीन पानी टंकी, सुलभ शौचालय, शासकीय हाई स्कूल, बाल स्कूल सहित सर्कुलर मार्केट प्रस्तावित शौचालय निर्माण स्थल का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। आयुक्त एवं पार्षद विनोद चेलक द्वारा पावर हाउस फल मंडी के समीप निर्माणाधीन पानी टंकी का अवलोकन किया गया। उस क्षेत्र के नागरिको को होने वाले पेयजल की समस्या को देखते हुए नवीन ओवर हेड टेंक का निर्माण किया जा रहा है। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक-36 महात्मा गांधी नगर स्थित सुलभ शौचालय एवं आस-पास की साफ-सफाई बनाये रखने के निर्देश दिए।

निर्वाचन नामावली कार्य में लापरवाही, कामगार निलंबित

भिलाई। अनिल कुमार सौदागर, सफाई कामगार (नियमित) को निर्वाचन नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण का गणना पत्रक वितरण कार्य हेतु बी.एल.ओ. के फार्म में सहयोगी के रूप में ड्यूटी लगाई गई थी, जोन आयुक्त द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि अनिल कुमार सौदागर द्वारा 11 नवंबर 2025 को समय दोपहर 02:50 बजे तक कार्य में उपस्थित नही हुआ। उनके द्वारा निर्वाचन कार्य में सहयोग नहीं करते हुये कार्यालयीन समय में मद्यपान करते हुये निर्वाचन संबंधी सर्वोच्च प्राथमिकता के कार्य में बाधा पहुंचाई गई एवं उच्च अधिकारियों से अशोभनीय आचरण किया गया है। जिसके कारण गणना पत्रक वितरण कार्य में विलंब हुआ। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम के विपरीत आचरण होने एवं निर्वाचक नामावली कार्य में उदासीनता बरते जाने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

भारत ड्रोन सर्विसेस ने कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ किया समझौता ज्ञापन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। क्षेत्र में तकनीकी नवाचार और शोध को बढ़ावा देने के एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, सीएसवीटीयू फोर्टे के तत्वावधान में कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज ने भारत ड्रोन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह साझेदारी भारत ड्रोन सर्विसेज को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोडिंग और रोबोटिक्स पर नए उत्कृष्टता केंद्र के लिए आधिकारिक प्रौद्योगिकी भागीदार नामित करती है।

यह अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र आधिकारिक तौर पर 12 नवंबर को दोपहर 1.30 बजे कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में उद्घाटित किया गया। केंद्र की स्थापना का मुख्य विजन ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास को उभरती प्रौद्योगिकी, शोध कार्यान्वयन और उद्यमिता के माध्यम से आगे बढ़ाना है। इस सहयोग का लक्ष्य एक जीवंत इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां शैक्षणिक ज्ञान उद्योग की

विशेषज्ञता से मिलता है।

इससे छात्रों और शोधकर्ताओं को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के साथ अत्याधुनिक समाधान विकसित करने में सशक्त बनाया जाएगा। समारोह में डॉ. आरएन पटेल, निदेशक, सीएसवीटीयू फोर्टे, डॉ. एनसी गुप्ता, निदेशक, भारत ड्रोन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, अग्रांशु द्विवेदी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीएसवीटीयू फोर्टे, वसीम अजाद, रोबो एडु वर्ल्ड और क्वाडप्ले नेटवर्क सहित विभिन्न स्टार्टअप्स के निदेशक विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन आनंद कुमार त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ. अजय तिवारी, उप-प्राचार्य डॉ. रवींद्र शर्मा, मैनेजर गोपेश शुक्ला सहित सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक शामिल थे। इस सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना क्षेत्र को तकनीकी शोध और विकास के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है, जो सीधे तौर पर 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय एजेंडे में योगदान देगा।

छत्तीसगढ़ में भी अब कुत्तों के रहने खाने-पीने का इंतजाम करना होगा

सुप्रीम कोर्ट के बाद हाईकोर्ट ने भी लगाई फटकार, एक एक कर जाग रहे निगम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अब छत्तीसगढ़ के शहरों में भी सड़कों से कुत्तों को हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। रायपुर नगर निगम ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। कुत्तों को रखने के साथ ही उनके भोजन पानी की भी व्यवस्था निगम को करनी होगी। यदि कोई इन आवारा कुत्तों को गोद लेना चाहे तो इसकी प्रक्रिया भी नगर निगम को ही पूरी करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि भिलाई में भी आवारा कुत्तों का खौफ रहता है। यही नहीं सड़कों पर भी कुत्तों का बेखौफ विचरण जारी रहता है। इन कुत्तों से टकराकर कई बार दुपहिया चालक घायल होते हैं तो कभी कभी कुत्ते भी घायल हो जाते हैं। सेक्टर एक में कुछ युवाओं ने मिलकर सड़कों पर घायल होने वाले कुत्तों एवं अन्य मवेशियों के लिए एक देखभाल केन्द्र भी खोला। पर यह प्रयास समस्या की तुलना में कुछ भी नहीं है।

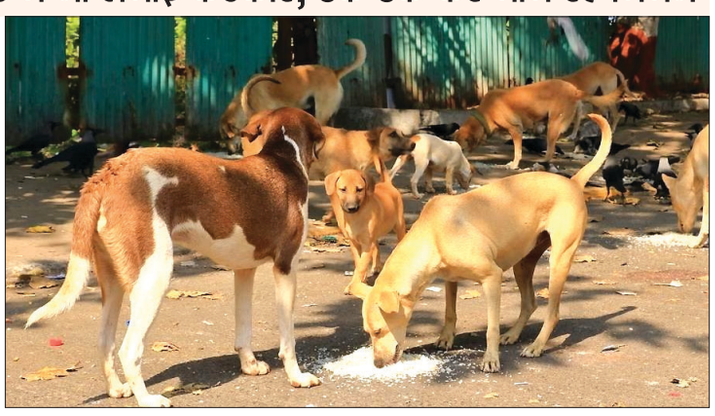

उधर राजधानी रायपुर में आवारा कुत्तों के बढ़ते खौफ के बाद अब उन्हें काबू करने के लिए उनके रहने खाने की व्यवस्था की जा रही है। कुत्तों को यदि कोई गोद लेना चाहे तो निगमों को इसकी कार्यवाही पूरी करनी होगी। आवारा कुत्तों

को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका के बाद राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन विभाग ने हाल ही में ताजा दिशा-निर्देश जारी किया है, जिसमें शहरी क्षेत्रों में कुत्तों के प्रबंधन की जिम्मेदारी निगम अधिकारियों पर आ चुकी है।

दिशा-निर्देशों के मुताबिक कुत्तों को पकड़कर बधियाकरण करना होगा। साथ ही उनके रहने खाने की व्यवस्था निगम को करनी होगी।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अवर सचिव अजय तिर्की ने इस संबंध में निगम आयुक्त सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पत्र जारी किया है। इसके तहत बधियाकरण, शेल्टर हाउस का निर्माण, चिन्हांकित भोजन स्थान स्थापित करना होगा। चिन्हांकित स्थल का संकेतक, आहार दिशा-निर्देश का उल्लंघन करने पर रिपोर्ट करने के लिए हेल्पलाइन नंबर-1100 में शिकायत की जा सकेगी।

जो पशु प्रेमी आवारा कुत्तों को गोद लेना चाहते हैं उन्हें आवेदन लेकर टैगिंग कर उन्हें सशर्त सौंप दिया जाए, जिसमें स्पष्ट रूप से यह उल्लेख हो कि गोद लेने के बाद उन्हें दोबारा सड़कों पर न छोड़ा जाए।

आवारा-बेसहारा पशुओं की वजह से सड़क दुर्घटनाएं व जान-माल की हानि पर 11 नवंबर को हाईकोर्ट ने सरकार के शपथ पत्र के जवाब में कहा कि कागजी कार्यवाही से काम नहीं चलेगा।

पावरग्रिड ने प्रभावित किसानों को दिया मुआवजा

दुर्ग। अनुभाग दुर्ग अंतर्गत पावरग्रिड रायपुर पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लिमिटेड, कार्यालय गेडेसरा द्वारा 400 के.वी. डबल सर्किट रायपुर पुल-धमतरी संचरण लाइन निर्माण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को मुआवजा वितरण की प्रक्रिया जारी है। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) से प्राप्त जानकारी अनुसार इस परियोजना के तहत तहसील दुर्ग के अंतर्गत कुल 19 ग्राम-ननकट्टी, झेन्झरी, डांडेसरा, ढाबा, भेडसर, नगपुरा, गनियारी, रसमड़ा, थनौद, चंगोरी, कोनारी, कुथरेल, भानपुरी, पाउवारा, जंजगिरी, मातरोडीह, कातरो, मचान्दुर एवं घुघसीडीह के कुल 971 कृषकों की भूमि प्रभावित हुई है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों के अनुसार प्रभावित कृषकों को क्षतिपूर्ति मुआवजा वितरण हेतु कुल 4,61,88,017 चार करोड़ इकसठ लाख अठासी हजार सत्रह रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। अब तक 407 कृषकों को 2,51,70,904 (दो करोड़ ईंकावन लाख सत्तर हजार नौ सौ चार रुपये) का भुगतान किया जा चुका है। शेष प्रभावित कृषकों को मुआवजा वितरण की कार्यवाही निरंतर जारी है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने बताया कि सभी पात्र कृषकों को शीघ्र ही उनकी भूमि का समुचित मुआवजा प्रदान कर दिया जाएगा। यह प्राथमिकता में है।

सरकारी मदद से बनाया पशु शेड स्वयं भी की 11 हजार की मजदूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। ग्राम पंचायत रौंदा, जनपद पंचायत धमधा के निवासी हिरेंद्र वर्मा पहले अपने मवेशियों को एक अस्थायी छप्पर में रखते थे। बरसात और गर्मी में पशुओं की देखभाल में काफी कठिनाइयाँ आती थीं, जिससे दुग्ध उत्पादन भी सीमित रह जाता था। लेकिन जब उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत पक्का पशु शेड निर्माण हेतु आवेदन किया, तो यह उनके जीवन का नया अध्याय साबित हुआ। ग्राम सभा की अनुशंसा पर 95 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गई और ग्राम पंचायत रौंदा के माध्यम से यह निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

श्री वर्मा ने स्वयं भी श्रमिक के रूप में काम किया और 11 हजार रूपए का पारिश्रमिक अर्जित किया। निर्माण कार्य की देखरेख हिरेंद्र साहू द्वारा की गई। शेड बनने के बाद श्री वर्मा के पास तीन दुधारू भैंस, गायें हैं, जिनसे प्रतिदिन 5 लीटर से अधिक दूध का उत्पादन होता है। दूध बेचकर वे हर महीने 5 से 6 हजार रूपए तक की आय अर्जित कर रहे हैं।

श्री वर्मा बताते हैं कि पहले रोजगार की चिंता रहती थी, पर अब दूध बेचकर हर महीने अच्छी आमदनी हो जाती है। पशु शेड बनने से मवेशियों की देखभाल भी सुगम हो गई है। मनरेगा योजना के अंतर्गत बना यह पक्का पशु शेड न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिरता का आधार बना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मानपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर कर रहा है। आज श्री हिरेंद्र वर्मा का परिवार अपने परिश्रम और मनरेगा योजना के सहयोग से एक प्रेरणास्त्रोत बन चुका है।

ड्यूटी लगते ही गायब हो गया बीएलओ फोन भी नहीं उठा रहा, हुआ निलंबित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार मिश्रा ने शन्तानू कुमार मरकाम सहायक शिक्षक एलबी को निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। ज्ञात हो कि विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार मरकाम की ड्यूटी निर्वाचक नामावली के गहन पुनरीक्षण में बीएलओ के तौर पर 65/132 बी.एस.पी. कन्या विद्यालय सेक्टर 11, खुर्सीपार, भिलाई में लगाई गई थी।

संबंधित दिवस 07 नवंबर 2025 से मरकाम अपने कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित है। लगातार दूरभाष से संपर्क करने का प्रयास किया गया, किन्तु उनके द्वारा किसी का भी प्रत्युत्तर नहीं दिया गया। श्री मरकाम के ज्ञात पते पर संपर्क करने का भी प्रयास किया गया, किन्तु उनके घर पर बाहर से तालाबंद होना पाया गया।

श्री मरकाम 07 नवंबर 2025 से शाला भी नहीं आ रहे है एवं बी.एल.ओ कार्य से भी अनुपस्थित है। उनका यह कृत्य निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही, बिना सूचना कार्य से अनुपस्थित होना तथा उच्च कार्यालय के निर्देशों का स्पष्ट अवहेलना है।

निलंबन अवधि में मरकाम की ड्यूटी मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, दुर्ग नियत किया जाता है। निलंबन अवधि में उनको नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगया है।

सेल क्रिकेट के सेफा में पहुंची बीएसपी की टीम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- इंटर प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप भिलाई इस्पात संयंत्र के खेल, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग (एससीएंडसीए) द्वारा आयोजित सेल इंटर प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप का 12 नवम्बर, 2025 बुधवार का दिन बेहद रोमांचक रहा, जहाँ भिलाई इस्पात संयंत्र ने जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि सेल-भद्रावती और सेल-सेलम ने भी अपने-अपने मैचों में प्रभावशाली जीत दर्ज की।

सेक्टर-10 स्थित बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड में, घरेलू टीम भिलाई इस्पात संयंत्र ने असाधारण

ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए सेल-दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी) को 99 रनों से हराकर अपने पूल में शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

कप्तान अनिल सिंह के नेतृत्व और कोच राजा बनर्जी के प्रशिक्षण में, बीएसपी टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 208 रन का स्कोर बनाया। सुदीप सिंह ने 77 रनों की मैच विजयी पारी खेली, जबकि श्री आर. वेंकटेश ने 37 रन, के. राजगोपालन ने 30 रन और श्री सुवेंदु ने 18 रन जोड़े। श्री वीरेंद्र (15), श्री अर्जुन त्यागी (नाबाद 12) और श्री मधु इक्का (नाबाद 6) ने सहायक पारियां खेलीं।

दुर्गापुर की ओर से श्री भास्कर ने तीन और श्री विकास ने दो विकेट लिए। जवाब में दुर्गापुर की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन पर ही सिमट गई। श्री बिस्वजीत राय ने 26 रन बनाए और श्री अमित 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बीएसपी की गेंदबाजी बेहद प्रभावशाली रही, सुरेश सोनपिपारे ने चार विकेट लिए वहीं अर्जुन त्यागी ने एक-एक विकेट लेकर मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित की।

सांस्कृतिक रैली के साथ एनएसएस शिविर संपन्न

महमरा में सात दिनों तक चला शिविर, चलाए जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालयए दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम महमरा में 04 से 10 नवंबर 2025 तक आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन उत्साहए ऊर्जा एवं सेवा भावना के साथ हुआ। सात दिनों तक निरंतर संचालित विभिन्न सामाजिकए शैक्षिक एवं जन.जागरूकता गतिविधियों ने ग्रामवासियों पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ा।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ सुमीत अग्रवाल क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा विभाग

दुर्ग ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवा शक्ति का ऐसा माध्यम है, जो शिक्षा को समाज सेवा से जोड़कर संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक ग्रामीण परिवेश में रहकर समाज की वास्तविक जरूरतों को समझते हैं। उनमें नेतृत्व, समन्वय एवं टीम भावना का विकास होता है।

पूर्व माध्यमिक शाला महमरा की प्रधानपाठक परवीना हाशमी ने शिविर की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इस शिविर से बच्चों एवं युवाओं में सेवा भाव स्वच्छता और सामाजिक चेतना का विस्तार होता है। डॉ अंबरीश त्रिपाठी प्राध्यापक हिन्दी ने स्वयंसेवकों को समाज में अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करते हुए परिवर्तनकारी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

ग्राम पंचायत महमरा की सरपंच नर्मदा ठाकुर ने स्वच्छता, नशामुक्ति एवं जन.जागरूकता के लिए रासेयो टीम को धन्यवाद देते हुए दोबारा इसी प्रकार के शिविर का अनुरोध किया।

धान उपार्जन के बाद मिलिंग में न आए बाधा, कलेक्टर ने की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिले में धान उपार्जन, मिलिंग, चावल भंडारण की तैयारी एवं खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में राईस मिल पंजीयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी संबंधित विभागों एवं राईस मिलर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उपार्जन से लेकर चावल भंडारण तक की संपूर्ण प्रक्रिया की प्रगति पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी मिल संचालकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कस्टम मिलिंग कार्य में कोई विलंब न हो। धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी उपार्जन समितियों को बारदाना (बोरी) की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। संबंधित अधिकारी खरीदी शुरू होने से पूर्व सभी संग्रहण केंद्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पिछले वर्ष के उपार्जन सीजन से संग्रहण केंद्रों में बचे हुए धान के उठाव का कार्य शीघ्र पूर्ण करें, ताकि नए सीजन की खरीदी के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी संग्रहण केंद्रों में समय पर बारदाना पहुंच जाए और पिछले सत्र का पूरा धान उठाव हो जाए। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उपार्जन प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित की जाए। चावल परिवहन के लिए रैक मूवमेंट की भी बिन्दुवार समीक्षा कलेक्टर ने की।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

पशु तस्करी के आरोपी को भंडारा से पकड़ लाई पुलिस

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनादगांव अंकिता शर्मा के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी तुमडीबोड़ निरीक्षक दिलीप पटेल के नेतृत्व में फरार आरोपी निहाल खोबरागढ़े, पिता भास्कर खोबरागडे, उम्र 32 साल, निवासी मालिपारा, थाना का, जिला भंडारा (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण में 5 आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। पशु तस्करी के अपराध में संलिप्त अन्य व्यक्तियों का पता तलाश किया जा कर विधिवत गिरफ्तारी कार्यवाही की जायेगी।

11306 बच्चों ने लिया बाल विवाह न करने का संकल्प

कोरबा। बाल विवाह मुक्त जिला घोषित करने के उद्देश्य से कोरबा जिले में चल रहे जन जागरूकता अभियान को जबरदस्त जनसमर्थन मिल रहा है। कलेक्टर एवं जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के अध्यक्ष अजीत वसंत के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग के मार्गदर्शन में जिले में निरंतर जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 11 नवंबर 2025 तक जिले के 60 विद्यालयों से कुल 11 हजार 306 बच्चों ने बाल विवाह न करने की शपथ ली है। बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए यह एक सराहनीय पहल मानी जा रही है।

पत्नी वियोग में बुजुर्ग ने जहर खाकर दे दी जान

कोरबा। पत्नी की मौत का गम एक बुजुर्ग सह नहीं पाए और उन्होंने खुदकुशी का रास्ता चुन लिया। बुजुर्ग ने जहर का सेवन कर लिया था। परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कोरबा जिले के रहने वाले 66 वर्षीय दुखीराम की पत्नी की करीब तीन महीने पहले मौत हो गई थी। तब से ही वे मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। रविवार की शाम उन्होंने घर पर ही जहर खा लिया। जब उनकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिवार ने तुरंत उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन उनकी हालत लगातार नाजुक बनी रही। दो दिन के उपचार के बाद मंगलवार सुबह दुखीराम ने दम तोड़ दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा। एकीकृत बाल विकास परियोजना पाली अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के दो रिक्त पद एवं आंगनबाड़ीसहायिका के 04 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। परियोजना अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार परियोजना पाली अंतर्गत ग्राम केराकछार के आंगनबाड़ी केंन्द्र विच्छीडुग्गू एवं ग्राम परसदा के आंगनबाड़ी केन्द्र परसदा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की पूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। इसी तरह ग्राम नवापारा के आंगनबाड़ी केन्द्र धवईहापारा, ग्राम परसदा के आंगनबाड़ी केन्द्र समरमुड़ा, ग्राम माखनपुर के आंगनबाड़ी केन्द्र रांवपारा और ग्राम कर्रानवापारा के आंगनबाड़ी केन्द्र कन्हैयापारा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।

श्रीरामलला दर्शन के लिए 204 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

जशपुरनगर। अयोध्या धाम में श्रीरामलला के दर्शन का सिलसिला निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत अब तक 2040 श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो चुका है। इसी कड़ी में रामलला दर्शन अयोध्या धाम यात्रा योजना अंतर्गत 12 नवम्बर 2025 को जिले से कुल-204 श्रद्धालुओं को रवाना किया गया। जिले के सभी विकास खंड के जनपद पंचायत कार्यालय और नगरीय निकाय से जनप्रतिनिधियों ने अयोध्या धाम के लिए श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रवाना किए गए 204 श्रद्धालुओं में जशपुर विधानसभा से 64, कुनकुरी विधानसभा से 73 एवं पत्थलगांव विधानसभा से 67 श्रद्धालु शामिल हैं। इन सभी श्रद्धालुओं की यात्रा, रहने-खाने की व्यवस्था शासन करता है।

3 साल बाद हो रही खैरागढ़ महोत्सव की वापसी, सुर-ताल की सजेगी महफिल

श्रीकंचनपथ समाचार

खैरागढ़। एशिया के पहले संगीत विश्वविद्यालय इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में तीन वर्षों के अंतराल के बाद एक बार फिर खैरागढ़ महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। यह तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 19 से 21 नवंबर तक चलेगा। आयोजन की घोषणा के साथ ही पूरे नगर में उल्लास का माहौल है और सड़कों से लेकर विश्वविद्यालय परिसर तक रोशनी और सजावट की तैयारियां जोरों पर हैं।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉ. लवली शर्मा ने बताया कि इस बार महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों के कलाकारों को आमंत्रित किया गया है, ताकि खैरागढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान मिल सके। इस आयोजन में देशभर के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ, नृत्यांगनाएं और साहित्यकार शामिल होंगे। वृंदावन, दिल्ली, मुंबई और अन्य सांस्कृतिक नगरों से शीर्ष कलाकार मंच साझा करेंगे। खास बात यह है कि स्वयं

कुलपति प्रो. शर्मा भी मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी।

खैरागढ़ महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों होगा, जबकि समापन समारोह की शोभा राज्यपाल रमेन डेका बढ़ाएंगे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। मंच, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और अतिथि सत्कार की जिम्मेदारी की निगरानी स्वयं कुलपति कर रही हैं। उनका कहना है कि कम बजट में भी गुणवत्तापूर्ण आयोजन कर खैरागढ़ महोत्सव की परंपरा को सशक्त बनाया जाएगा।

तीन वर्षों के अंतराल के बाद लौट रहा यह सांस्कृतिक पर्व केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगीत नगरी की गौरवशाली विरासत का पुनर्जागरण का भी है। कुलपति ने बताया कि आने वाले दिनों में खैरागढ़ एक बार फिर सुर, ताल और लय के अनोखे रंगों से सराबोर दिखाई देगा।

कोरिया ने पेश किया जल संरक्षण का नायाब मॉडल

57 अमृत सरोवर और 1865 डबरी ने बदली ग्रामीण आजीविका की तस्वीर

- 5 लाख 70 हजार घनमीटर जल संचयन क्षमता विकसित

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। कोरिया जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत जलसंवर्धन और आजीविका उन्नयन के कार्यों ने ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान की है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए मिशन अमृत सरोवर अभियान को छत्तीसगढ़ में रफ्तार देते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी जिलों में अधिकाधिक अमृत सरोवर निर्माण के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में कोरिया जिले में अब तक 57 अमृत सरोवरों का निर्माण एवं पुनर्जीवन सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है।

जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर में 22 एवं सोनहत जनपद में 35 अमृत सरोवर विकसित किए गए हैं। प्रत्येक तालाब का न्यूनतम क्षेत्रफल एक एकड़ है, जिससे औसतन 10 हजार घनमीटर जलभराव संभव हो सका है। इस प्रकार जिले में कुल 5 लाख 70 हजार घनमीटर से

अधिक जलसंचयन क्षमता अमृत सरोवरों के माध्यम से तैयार की जा चुकी है।

सभी अमृत सरोवरों को ग्राम पंचायतों द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों को मछली पालन हेतु लीज पर दिया गया है। इससे 57 समूहों की 570 से अधिक महिला सदस्यों को स्थायी आजीविका का साधन प्राप्त हुआ है। ग्रामीण स्तर पर पोषण अभियान को दक्षता से बढ़ावा मिला है और फसल विविधीकरण व सब्जी उत्पादन को नई मजबूती मिली है।

इन जलाशयों के माध्यम से 5 से 17 एकड़ तक खेतों की सिंचाई सहज हुई है, जिससे किसान अब दो फसलें एवं सब्जी उत्पादन सहजता से कर पा रहे हैं।

बीते पांच वर्षों में जिले में 1865 डबरियों का निर्माण किया गया है। इनमें अधिकांश डबरियां अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग, पंजीकृत श्रमिकों की कृषि भूमि तथा वनाधिकार पट्टा भूमि पर निर्मित कर ग्रामीणों को स्वावलंबन की दिशा में सशक्त किया गया है।

जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर में 1526 डबरी, जनपद पंचायत सोनहत में 339 डबरी निर्माण हुआ है। इन डबरियों से किसानों ने अपनी बाड़ी में सब्जी उत्पादन, फलदार पौधारोपण और मछली पालन प्रारंभ कर आर्थिक सुधार की दिशा में सराहनीय कदम उठाए हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन

इन जल संरक्षण पहलों ने जल उपलब्धता बढ़ाई, सिंचाई सुलभ की महिला समूहों की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत किया और खेती- किसानी को स्थायी आधार प्रदान किया।

शिक्षा सुधारने अब अधिकारी करेंगे स्कूलों की मॉनीटरिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों में सुधार लाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने 22 राज्य स्तरीय अधिकारियों को विभिन्न जिलों की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। ये अधिकारी अपने-अपने आबंटित जिलों में जाकर स्कूलों का औचक निरीक्षण करेंगे, अधिकारियों की बैठक लेंगे और शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगे।

विभाग ने 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा के पिछले वर्ष के परीक्षा परिणामों का विश्लेषण कर इस बार एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत प्रत्येक माह यूनिट टेस्ट आयोजित किए जाएंगे और विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए प्रश्न पत्रों के ब्लूप्रिंट से अवगत कराया जाएगा।

कमजोर विद्यार्थियों की मदद के लिए शिक्षकों को मेंटर बनाकर समूह आधारित जिम्मेदारी दी जाएगी। कार्ययोजना के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए लोक शिक्षण संचालनालय ने संयुक्त संचालक से लेकर सहायक संचालक स्तर तक के अधिकारियों को जिलों में नियुक्त किया है। ये अधिकारी 20 नवंबर तक अपने निरीक्षण प्रतिवेदन संचालनालय में जमा करेंगे।

योजना के अनुसार स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। छमाही परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन एक-दूसरे स्कूलों में तथा वार्षिक परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन अन्य विकासखंडों में किया जाएगा। साथ ही छात्रों की हैंडराइटिंग और होमवर्क पर भी विशेष फोकस रहेगा।

पाठ्यपुस्तकों को लेकर निगम हुआ सख्त, लगाया 1.1 करोड़ का जुर्माना

देरी या गड़बड़ी होने पर अब बर्दाश्त नहीं करेगा पापुनि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम (पापुनि) ने कागज की आपूर्ति नहीं करने वाली दो फर्मों — ओरिएंट और श्रेयांस पर क्रमशः 80 लाख और 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। दोनों कंपनियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। यदि उनका जवाब असंतोषजनक पाया गया तो उन्हें पांच वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

पापुनि ने अगले शैक्षणिक सत्र के लिए पाठ्य पुस्तकों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है। निगम जल्द ही कागज खरीदी और प्रिंटिंग के लिए टेंडर जारी करेगा। निगम अध्यक्ष राजा पांडेय ने साफ कर दिया है कि प्रिंटिंग या सप्लाई में किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी फर्मों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

राजा पांडेय ने बताया कि आगामी सत्र में निगम अन्य राज्यों गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, पुडुचेरी

और असम की तर्ज पर स्वयं कागज खरीदेगा और प्रिंटिंग का कार्य ठेकेदारों से करवाएगा। इस बार कागज की गुणवत्ता के मानकों में सुधार किया गया है और देरी से आपूर्ति करने पर प्रति दिन 1 प्रतिशत अतिरिक्त पेनाल्टी लगाने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि पाठ्य पुस्तकों की छपाई की प्रक्रिया इसी माह से शुरू की जा रही है। एससीईआरटी को निर्देश दिए गए हैं कि वे 15 दिसंबर तक कक्षा-वार विषयों की सीडी निगम को सौंप दें। इस बार स्कूल खुलने से 10 दिन पहले किताबें स्कूलों और संकुलों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए सभी डिपो में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं तथा अगले वर्ष 8 नए डिपो बनाने की योजना भी तैयार की गई है। इस वर्ष जैम पोर्टल के माध्यम से कागज की खरीदी से 20 रुपए प्रति किलोग्राम की बचत हुई है। पहले जहां कागज 98 रुपए प्रति मीटन की दर से खरीदा जाता था, वहीं इस बार 78 रुपए में खरीदा गया। लगभग 12,000 मीटन कागज की खरीदी से सरकार को करीब 24 करोड़ रुपए की बचत हुई है।

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा उपलब्ध कराई गई यू-डाइस कोड आधारित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार इस वर्ष 2.41 करोड़ पाठ्य पुस्तकें छापी गईं। बाद में अतिरिक्त 23 लाख किताबें जोड़कर कुल 2.64 करोड़ पुस्तकों का वितरण किया गया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 20 लाख किताबें कम हैं, जिससे करीब 10 करोड़ रुपए की बचत हुई।

ई-संवर्ग के पदोन्नत प्राचार्यों की पोस्टिंग 17 से 21 तक

शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर में होगी काउंसलिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लंबे इंतजार के बाद ई-संवर्ग के पदोन्नत प्राचार्यों की पोस्टिंग प्रक्रिया आखिरकार शुरू होने जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इन प्राचार्यों की नियुक्ति के लिए 17 नवंबर से काउंसिलिंग आयोजित करने की घोषणा की है। राजधानी रायपुर स्थित शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, शंकरनगर में यह प्रक्रिया 21 नवंबर तक चलेगी।

जानकारी के अनुसार, इस काउंसिलिंग में करीब 1,000 पदोन्नत प्राचार्य शामिल होंगे। विभाग ने पहले ही 30 अप्रैल को व्याख्याता, व्याख्याता (एलबी) और प्रधान पाठक (माध्यमिक ई-संवर्ग) से प्राचार्य पद पर पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए थे।

हालांकि आदेश जारी होने के बाद इस पर एक याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई थी, जिसके चलते पोस्टिंग की प्रक्रिया स्थगित हो गई थी। अब हाईकोर्ट द्वारा शासन के पक्ष में फैसला आने के बाद

फाइल फोटो

पदोन्नत प्राचार्यों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है।

विभाग ने काउंसिलिंग का विस्तृत शेड्यूल भी जारी किया है। 17 नवंबर को सुबह 10 से 1:30 बजे तक क्रमांक 1 से 125 और दोपहर 2 से 5 बजे तक क्रमांक 126 से 250 तक की काउंसिलिंग होगी। इसी तरह 18 नवंबर को क्रमांक 251 से 500, 19 नवंबर को 501 से 750, और 20 नवंबर को 751 से 1000 तक की काउंसिलिंग होगी। 21 नवंबर को अनुपस्थित प्राचार्यों की काउंसिलिंग रखी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि काउंसिलिंग पूरी होने के बाद सभी चयनित प्राचार्यों को शीघ्र ही उनके नए पदस्थापना स्थलों पर पदभार ग्रहण कराने की कार्रवाई की जाएगी। हाईकोर्ट के निर्णय के बाद छह माह से इंतजार कर रहे पदोन्नत प्राचार्यों के लिए यह खबर बड़ी राहत लेकर आई है।

अदाणी फाउंडेशन ने पताड़ी स्वास्थ्य केंद्र में दिए उपकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। जिले के करतला ब्लॉक में स्थित कोरबा पावर लिमिटेड, पताड़ी में अदाणी फाउंडेशन ने सीएसआर गतिविधियों के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पताड़ी में बुनियादी जरूरतों की सामग्रियों के हस्तांतरण तथा आस-पास के दिव्यांजनों को सहायक उपकरणों के वितरण हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना और दिव्यांगजन तथा जरूरतमंद लोगों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत पताड़ी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के लिए बुनियादी सुविधाओं में सुधार हेतु कई जरूरी उपकरणों जिनमें एयर कंडीशनर व डीप फ्रीजर, टेलीविजन, रोगी बेड, लॉकर, वेटिंग चेयर और कूलर प्रदान किया गया। इसके अलावा आस पास के दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरणों जिनमें

ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर और बैसाखी शामिल का सहयोग किया है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीएमएचओ कोरबा, डॉ. एस.एन. केसरी, बीएमओ दीपक राज, केपीएल के परियोजना प्रमुख ए राजागुरु ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर पताड़ी सरपंच श्री प्रधान सिंह ठाकुर, जिला पंचायत प्रतिनिधि सुष्मिता कमलेश अनंत, जनपद सदस्य अनिल खूँटे, सीएचसी पताड़ी से चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजनी कटकवार एवं डॉ. रंजीता कंवर, प्रोग्राम मैनेजर व्यास नारायण कोसले, तथा पीचसी बरीडीह से हेमीन सूर्यवंशी, केपीएल के महाप्रबंधक अखिलेश सिंह, नितिन पाटील, भू विभाग प्रमुख विकास ठाकुर, कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख अतुल गुप्ता तथा कृष्णा कटकवार उपस्थित थे।

अदाणी फाउंडेशन के सीएसआर प्रमुख ताजेंद्र बंजारे व सीएसआर प्रोजेक्ट से पवन महतो सहित गांव के पंच, बुजुर्गजन तथा ग्रामवासी भी मौजूद थे।

सीएमएचओ कोरबा, डॉ. एसएन केसरी ने कहा, कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र में स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के स्तर को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाया जा रहा है जो की एक सराहनीय पहल है। आज पताड़ी सीएचसी में कई बुनियादी सामग्रियों का हस्तांतरण एवं उपकरणों का वितरण किया जा रहा है।

अग्निवीर सैन्य भर्ती सेमिनार का 17 को

धमतरी। जनवरी 2026 में प्रस्तावित सैन्य भर्ती को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन धमतरी द्वारा युवाओं के मार्गदर्शन एवं जागरूकता के उद्देश्य से अग्निवीर सैन्य भर्ती से संबंधित सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। यह सेमिनार सोमवार, 17 नवम्बर 2025 को दो पालियों में संपन्न होगा। प्रथम पाली का आयोजन शासकीय पी.जी. कॉलेज, धमतरी में प्रातः 11:00 बजे से किया जाएगा, जबकि द्वितीय पाली का आयोजन सुखराम नागे शासकीय महाविद्यालय, नगरी में दोपहर 3:00 बजे से किया जाएगा। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को भर्ती परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु सहयोग प्रदान करना है।

रायपुर प्रेसक्लब चुनाव के लिए 23 को मतदान

रायपुर। रायपुर प्रेसक्लब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आसिफ इकबाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार रायपुर प्रेसक्लब के चुनाव की तिथि आज घोषित की गई। मतदान 23 नवंबर को होगा। नामांकन पत्र प्राप्ति एवं जमा करने के लिए 13 से 15 नवंबर की तिथि घोषित की गई है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

नागा चैतन्य की माइथोलॉजिकल मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म एनसी24 से मीनाक्षी चौधरी का फर्स्ट लुक जारी, किरदार का भी हुआ खुलासा

नागा चैतन्य और मीनाक्षी चौधरी की आने वाली फिल्म एनसी24 का फर्स्ट लुक जारी हो गया है। यह एक माइथोलॉजिकल मिस्ट्री थ्रिलर है। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी दक्षा का किरदार निभा रही हैं। नागा चैतन्य ने पोस्टर शेयर कर मीनाक्षी की तारीफ की है। नागा चैतन्य ने खुद सोशल मीडिया पर यह पोस्टर शेयर करते हुए मीनाक्षी की तारीफ की है। यह फिल्म साइंस, फेथ और मिस्ट्री का अनोखा संगम बताई जा रही है और फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हैदराबाद में एनसी24 की शूटिंग तेजी से चल रही है। इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि इसे विरुपक्षा जैसी सफल फिल्म के डायरेक्टर कार्तिक दंडू बना रहे हैं। हाल ही में फिल्म की फीमेल लीड, मीनाक्षी चौधरी का फर्स्ट लुक पोस्टर सामने आया है। नागा चैतन्य ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह पोस्टर शेयर किया और लिखा, आप सभी से हमारे एनसी24 से दक्षा के रूप में मीनाक्षी चौधरी का परिचय कराते हुए मुझे खुशी हो रही है। उनके साथ काम करना बहुत मजेदार रहा और यह एक ऐसा किरदार है जिससे आप सभी को प्यार हो जाएगा। यह पोस्टर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और फैंस ने इस पर खूब उत्साह दिखाया।

पोस्टर में मीनाक्षी चौधरी एक गुफा के अंदर किसी प्राचीन प्रतीक को ध्यान से देखती हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने चश्मा पहना हुआ है और हाथ में मैग्नीफाइंग ग्लास लेकर किसी चीज की बारीकी से जांच कर रही हैं। उनकी वेशभूषा किसी खोजकर्ता जैसी है। यह पोस्टर उनके किरदार की गहराई और गंभीरता को दिखाता है। गुफा का माहौल, धीमी रोशनी और मिट्टी जैसे रंग,

दक्षा नाम के इस बुद्धिमान और गंभीर किरदार को बखूबी दर्शाते हैं।

मीनाक्षी चौधरी का किरदार दक्षा फिल्म एनसी24 में बहुत खास बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह कहानी के रहस्यों को सुलझाने में मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह मीनाक्षी के अब तक के करियर का सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण रोल है। इस पोस्टर ने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है और वे कह रहे हैं कि इस बार मीनाक्षी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दिखाएंगी।

लापता लेडीज फेम स्पर्श श्रीवास्तव भी कर रही हैं टोलीवुड में डेब्यू

एनसी24 एक ग्रैंड माइथोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर सामने आ रही है। इस फिल्म से लापता लेडीज फेम स्पर्श श्रीवास्तव भी टोलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी राहुल डी. हरियान संभाल रहे हैं, जबकि म्यूजिक अजनीश लोकनाथ दे रहे हैं। नागा चैतन्य और कार्तिक दंडू की यह टीम साइंस, आस्था और रहस्य को मिलाकर एक अनोखी कहानी पेश करने वाली है। एनसी24 फिलहाल टोलीवुड फैंस के लिए सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है।

कबीर सिंह फिल्म ने बदल दी जिंदगी, निकिता दत्ता ने बनाया अपना ड्रीम प्रोजेक्ट

ज्वेल थीफ और कबीर सिंह जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता टीवी और हिंदी सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं। अभिनेत्री निकिता दत्ता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के होते विस्तार और कास्टिंग को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ बड़े पर्दे पर ही अभिनेताओं को पसंद किया जाता था, लेकिन अब ओटीटी की वजह से कई माध्यम विकसित हो गए हैं। अब दर्शक जितना पर्दे पर बड़े स्टार्स को देखना पसंद करते हैं, उतना ही ओटीटी पर।

उन्होंने सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए होने वाली कास्टिंग पर कहा, पहले ऐसा नहीं होता था। अब कास्टिंग से पहले आपका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखा जाता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। कास्टिंग प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, ना कि सोशल मीडिया फॉलोवर्स के आधार पर।

निकिता ने शाहरुख खान के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना उनके लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह है। उन्होंने कहा, जब से मैंने इस इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया है, तब से यह मेरा सपना रहा है। अब भी यही ड्रीम प्रोजेक्ट है कि बस शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल जाए।

फिल्म कबीर सिंह निकिता के लिए बहुत खास रही। इसी फिल्म से निकिता को टीवी के बाद बड़े पर्दे पर पहचान मिली। उन्होंने कहा कि कबीर सिंह फिल्म ने मेरी जर्नी में बदलाव लाया, लोगों ने उस फिल्म से मुझे पहचाना और बहुत प्यार दिया। कबीर सिंह के लिए हमेशा मेरे दिल में खास जगह रहेगी।

बता दें कि निकिता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में घरत गणपति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अवॉर्ड के साथ प्यारी सी फोटो भी शेयर की थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ टीवी पर हिट सीरियल भी दिए हैं। उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल, 2016 में एक दूजे के वास्ते, और 2017 में हासिल में काम किया। एक्ट्रेस ने ओटीटी पर भी अपनी पहचान बनाई और कई सीरीज में नजर आई।

फिल्म मोगली 2025 का पहला गाने सैय्यारे रिलीज़, साक्षी मढोलकर ने बिखेरा जादू!

तेलुगु सिनेमा प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है! पीपल मीडिया फैक्ट्री ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मोगली 2025 का पहला लिरिकल वीडियोरिलीज़ कर दिया है, और सुर्खियाँ बटोरने का सबसे बड़ा कारण है इसकी लीड एक्ट्रेस साक्षी मढोलकर। रौशन कनकाला के साथ रोमांटिक-एक्शनड्रामा में मुख्य भूमिका निभा रहीं साक्षी ने अपने पहले ही गाने सैय्यारे से दर्शकों का दिल जीत लिया है।

घने जंगल की पृष्ठभूमि में फिल्माया गया यह गीत हर फ्रेम में रहस्यमय मोहकता समेटे हुए है। साक्षी के भावपूर्ण चेहरे के एक्सप्रेशन्स, उनकी सधी हुईअदाकारी और काला भैरवा के मधुर संगीत का संगम इसे एक आत्मा को छू जाने वाला अनुभव बनाता है। सैय्यारे में सिर्फ सुर ही नहीं हैं, बल्किभावनाओं की मिठास और एक खूबसूरत तड़प भी है, जो गीत खत्म होने के बाद भी दिल में गूंजती रहती है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक संदीप राज (कलर फोटो फेम) द्वारा निर्देशित मोगली को रोमांस और एक्शन का बेहतरीन मेल कहा जा रहा है। फिल्मके निर्माता टी.जी. विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद हैं, जबकि छायांकन राम मारुति एम ने किया है और एक्शन सीक्वेंस नटराज मडिगोंडा ने कोरियोग्राफकिए हैं। साक्षी का किरदार फिल्म की कहानी के दिल में धड़कता नजर आएगा, जिसमें भावनाओं की गहराई और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों का अनोखासंगम देखने को मिलेगा।

फिल्म मोगली 12 दिसंबर 2025 को विश्वभर में रिलीज़ होगी, और रिलीज़ से पहले ही इसकी चर्चा ज़ोरों पर है — खासकर साक्षी मढोलकर केदमदार ऑन-स्क्रीन प्रेज़ेंस को लेकर। उनकी दिलकश नज़रें, शानदार अभिव्यक्ति और सहज अभिनय यह साबित करते हैं कि वह तेलुगु सिनेमा की अगली बड़ी स्टार हैं। तो तैयार हो जाइए, साक्षी के इस जादुई अंदाज़ को महसूस करने के लिए — सैय्यारे के सुरों में डूबकर प्यार को एक अलग ही रूहानी रूप में अनुभव करने के लिए।

थलपति विजय के बेटे जेसन की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म के टाइटल का एलान, पोस्टर भी जारी

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय के बेटे जेसन संजय तमिल फिल्म इंडस्ट्री में बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली फिल्म के टाइटल की घोषणा हो गई है। फिल्म के शीर्षक के साथ अभिनेता संदीप किशन का पहला लुक भी जारी कर दिया गया है। लाइका प्रोडक्शन हाउस के तहत निर्माण हो रही जेसन संजय द्वारा निर्देशित डेब्यू फिल्म का शीर्षक सिग्मा है। इस फिल्म में संदीप किशन मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता का पहला लुक भी सामने आ गया है। पोस्टर में एक्टर संदीप को सोने की ईंटों और पैसों के ढेर पर बैठे हुए दिखाया गया है। साथ ही वह अपने हाथ पर लगे घाव पर पट्टी बांधते दिख रहे हैं।

दे दे प्यार दे 2 की एडवांस बुकिंग में धीमी शुरुआत, कल होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म दे दे प्यार दे 2 सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। रिलीज से पहले निर्माताओं ने फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी थी। इस बात की जानकारी अजय ने सोशल मीडिया पर दी। एक दिन पहले शुरू हुई दे दे प्यार दे 2 की एडवांस बुकिंग में फिल्म ने धीमी शुरुआत की है। आइए जानते हैं रिलीज से पहले की कमाई।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, दे दे प्यार दे 2 ने 12 नवंबर की दोपहर तक 5,382 टिकटों की बिक्री कर डाली है। यह टिकट 2,671 शो के लिए बेचे गए हैं। फिल्म ने रिलीज से पहले 19.19 लाख रुपये का कारोबार किया है। वहीं ब्लॉक सीट के साथ, अजय की फिल्म ने कुल 1.37 करोड़ रुपये की कमाई कर दिखाई है। महाराष्ट्र 31.51 लाख रुपये और दिल्ली 34.12 लाख रुपये के अधिकतम आंकड़ों के साथ सबसे आगे है।

अजय की आगामी फिल्म, साल 2019 में रिलीज दे दे प्यार दे की सीक्वल है। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पहली किस्त की कहानी खत्म हुई थी। दे दे प्यार दे 2 इसी 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस बार फिल्म में अजय और रकुल के अलावा, आर माधवन, मिजान जाफरी और गौतमी कपूर अहम किरदार में हैं। फिल्म का ट्रेलर और गाने रिलीज हो चुके हैं।

अदा शर्मा ने सिखाया कद्दू कोर वर्कआउट, बोलीं- 31 दिनों में दिखेगा बदलाव

अभिनेत्री अदा शर्मा न केवल अपने स्वास्थ्य को लेकर अलर्ट रहती हैं बल्कि नए-नए तरीकों से फैंस को वर्कआउट के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अदा शर्मा ने वीडियो शेयर किया, जिसमें नई फिटनेस चुनौती कद्दू कोर वर्कआउट 3.0 के बारे में फैंस को जानकारी दी। अदा ने बताया कि इस वर्कआउट से मात्र 31 दिनों में अपना जीवन बदल सकते हैं। पोस्ट में उन्होंने फैंस को कद्दू के साथ 20 रेप्स तक रोजाना इस वर्कआउट को करने की सलाह दी।

अदा शर्मा की गिनती उन एक्टर्स में की जाती है, जो फिटनेस को लेकर अलर्ट रहती हैं। उनकी यह तीसरी कोर वर्कआउट सीरीज है, जो विशेष रूप से कोर मसल्स को मजबूत बनाने पर फोकस करती है।

इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, कद्दू कोर वर्कआउट 3.0 इसे 31 दिन 20 रेप्स तक करें और अपना जीवन बदल लें! कौन कौन करेगा कद्दू कोर वर्कआउट 3.0? मुझे टैग करो मैं जवाब दूंगी।

इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह खुद इस एक्सरसाइज को डेमॉन्स्ट्रेट कर रही हैं। वीडियो में कद्दू (पंपकिन) को प्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले अभिनेत्री ने ब्रेन वर्कआउट से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि एक हाथ से धीमे-धीमे और दूसरे हाथ से झटपट झटपट एक्सरसाइज, अगर ये हो रहा है तो ब्रेन के लिए ये काफी लाभदायी होता है।

फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, कोर वर्कआउट बॉडी की स्थिरता बढ़ाने, पोस्चर सुधारने और ओवरऑल स्ट्रेंथ में मदद करता है।

अदा शर्मा की पोस्ट पर फैंस कमेंट करते नजर आए।

जनजातीय उद्यमिता और निवेश संवर्धन में छत्तीसगढ़ बना अग्रणी राज्य

नई दिल्ली में ट्राइबल बिजनेस कॉन्क्लेव-2025 में छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप्स ने बढ़ाया राज्य का गौरव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ट्राइबल बिजनेस कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में किया गया, जिसमें देशभर से आए उद्यमियों,नीति-निर्माताओं एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप्स ने भी हिस्सा लेकर उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारों को प्रदर्शित किया। ये स्टार्टअप्स न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त कर रहे हैं, बल्कि जनजातीय परंपराओं और पारंपरिक ज्ञान को नई पहचान भी दे रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल उरांव ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का किया निरीक्षण। इस अवसर पर उन्होंने सभी स्टार्टअप्स के स्टॉलों का अवलोकन किया, उद्यमियों से संवाद किया तथा उनके उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की। केन्द्रीय मंत्री गोयल ने छत्तीसगढ़ एग्रोफैब कंपनी के प्रतिनिधि करण चंद्राकर से विशेष चर्चा करते हुए उनके नवाचारों की सराहना की। दोनों मंत्रियों ने छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप्स द्वारा प्रदर्शित उत्पादों को जनजातीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने वाला उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

कार्यक्रम में निवेश आयुक्त, छत्तीसगढ़ ऋतु सेन ने राज्य में उद्यमिता और निवेश को प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत उद्यमों एवं स्टार्टअप्स को विशेष प्रोत्साहन, वित्तीय सहायता, परामर्श तथा विपणन सहयोग जैसी सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक उद्यमिता से जोड़कर जनजातीय समुदायों के लिए सतत आजीविका के अवसर सृजित करना। उन्होंने कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले उद्यमियों को उनके उत्पादों के विस्तार एवं बाज़ार पहुँच बढ़ाने के लिए उपयोगी सुझाव दिए।

छत्तीसगढ़ के अनेक स्टार्टअप्स – सिद्धार्थ एग्रोमार्केटिंग प्रा. लि., अंकुरण सीड्स, कोशल, शांति आनंद वेलनेस, बस्तर से बाज़ार तक, कोईतूर फिश कंपनी, कोया बाज़ार, एग्रोफैब तथा हेमल फूड प्रोडक्ट्स प्रा. लि. ने प्रदर्शनी में भाग लेकर अपने उत्पादों एवं नवाचारों का प्रदर्शन किया। इन स्टार्टअप्स ने कृषि विपणन, बीज उत्पादन, जनजातीय हस्तशिल्प, फूड प्रोसेसिंग, वेलनेस उत्पादों तथा वनोपज आधारित व्यापार से जुड़ी अभिनव पहलें प्रस्तुत कीं।

यह सम्मेलन जनजातीय उद्यमियों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करता है, जिससे छत्तीसगढ़ की छवि समावेशी एवं समुदाय-केन्द्रित उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले अग्रणी राज्य के रूप में और अधिक सुदृढ़ हुई है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उद्योग संचालनालय के संयुक्त संचालक संजय गजघाटे तथा निवेश आयुक्त कार्यालय की महाप्रबंधक सुश्री अंजली पटेल भी उपस्थित थीं।

प्रदेशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत का काम जोरों पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बरसात की समाप्ति के बाद राज्यभर में राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत का काम जोरों पर है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने सभी सड़कों की मरम्मत का काम दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने आज राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रगतिरत मरम्मत, नई सड़कों और नवीन परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों से कहा कि बरसात के बाद अभी सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों को गति देने का अच्छा समय है। इसका सदुपयोग करते हुए कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाएं और उन्हें पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत के दौरान ठेकेदारों से एसटीएमसी के सभी कम्पोनेन्ट्स के काम कराने को कहा। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों की मरम्मत के काम प्रारंभ हो चुके हैं, वे रूकने नहीं चाहिए। कार्यों को तेज गति से करते हुए दिसम्बर माह तक हर हाल में पूर्ण कराएं।

विभागीय सचिव डॉ. सिंह ने राज्य में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों के प्राक्कलन, निविदा, कार्यादेश और कार्य प्रारंभ की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत राष्ट्रीय राजमार्गों के अर्थ वर्क आगामी जनवरी माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण की जरूरत वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के नए कार्यों में अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने कलेक्टरों के साथ समन्वय से काम करने को कहा। डॉ. सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने चिन्हांकित ब्लैक-स्पॉट्स को सुधारने के लिए प्राथमिकता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर लोगों की सुविधा के लिए समुचित मार्ग संकेतक लगाने को भी कहा।

राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि राज्य शासन के अधीन राष्ट्रीय राजमार्गों में 88 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत के मरम्मत के 23 कार्य मंजूर किए गए हैं। इनमें से 71 करोड़ 49 लाख रुपए के कार्यों के लिए अनुबंध कर मरम्मत के कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-130 अभनपुर-राजिम-गरियाबंद-देवभोग मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-130बी, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-353 घोड़ारी-महासमुंद-बागबहरा-ओड़िशा सीमा, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-930, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-63 भोपालपटनम से जगदलपुर मार्ग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-49 के विभिन्न खंडों में मरम्मत के काम प्रगति पर हैं। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 कटनी-गुलमा मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-45 रतनपुर-केंदा-केंवची मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-153 रायगढ़-सारंगढ़-सरायपाली मार्ग के विभिन्न खंडों की मरम्मत के लिए अनुबंध की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। शीघ्र ही इनके कार्यादेश भी जारी कर मरम्मत के काम शुरू किए जाएंगे।

युक्तियुक्तकरण से बदली चचरेल स्कूल की तस्वीर, शिक्षा में आई नई चमक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विकासखंड बिलाईगढ़ के शासकीय प्राथमिक शाला चचरेल में युक्तियुक्तकरण नीति लागू होने के बाद विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। कभी एकमात्र प्रधान पाठक के भरोसे चलने वाला यह स्कूल अब तीन शिक्षकों की उपस्थिति से नई ऊर्जा से सराबोर है।

पालकों और ग्रामीणों ने जताया संतोष

ग्राम चचरेल के पालक नोहर सिंह ने बताया कि पहले एक ही शिक्षक होने से पढ़ाई बाधित होती थी, पर अब तीन शिक्षक होने से बच्चों का मन पढ़ाई में लगने लगा है। उन्होंने शासन की इस पहल को सकारात्मक और दूरदर्शी निर्णय बताते हुए कहा कि अब वे निश्चिंत होकर बच्चों को विद्यालय भेज रहे हैं। वहीं ग्रामीण नरसिंह नाग ने कहा कि युक्तियुक्तकरण के बाद शिक्षण व्यवस्था में स्पष्ट सुधार हुआ है। शिक्षक समर्पण भाव से बच्चों को पढ़ा रहे हैं और ग्रामीण भी समय-समय पर विद्यालय जाकर प्रगति की निगरानी कर रहे हैं।

विद्यालय में वर्तमान में 35 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना से न केवल कक्षाओं का संचालन सुचारू हुआ है, बल्कि बच्चों की उपस्थिति और पढ़ाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पहले शिक्षक की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित होती थी, जिससे अभिभावक भी बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने में रुचि नहीं दिखा रहे थे। अब विद्यालय में वातावरण उत्साहपूर्ण और अनुशासित हो गया है। युक्तियुक्तकरण की इस पहल से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे गांव में शिक्षा के प्रति विश्वास और जागरूकता बढ़ी है। अब चचरेल की प्राथमिक शाला बच्चों के उज्जवल भविष्य की नई मिसाल बन गई है।

वन मंत्री ने किया कोंडागांव वनमंडल के भवन का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कोंडागांव वनमंडल कार्यालय के नवीन भवन निर्माण का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेण्डी ने की।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने कार्यालय भवन की आधारशिला रखी और सुदूर ग्राम हिरामांदला से आए वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को आस्था मूलक योजना के तहत मिनी राइस मिल (धन कुट्टी मशीन) भेंट की। उन्होंने ग्रामीणों को शुभकामनाएं देते हुए मशीन का सावधानीपूर्वक उपयोग कर सामूहिक रूप से आय बढ़ाने का आग्रह किया।

मंत्री कश्यप ने कहा कि नया कार्यालय भवन बनने से विभागीय कार्यों में सुविधा होगी और कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि वन विभाग ग्रामीण अंचलों की प्रगति में अहम भूमिका निभा रहा है। विभाग द्वारा ईको-टूरिज्म, जैव विविधता संरक्षण और रोजगार सृजन के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। कोंडागांव वनमंडल द्वारा मर्दापाल में देवगुड़ी दरबार और पुसपाल के वैली व्यू पॉइंट व भंवरडीह नदी में रिवर-राफ्टिंग जैसी गतिविधियों के विकास के लिए 7.62 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्वीकृति मिलते ही यह कार्य शुरू होंगे, जिससे स्थानीय लोगों को आय के नए अवसर मिलेंगे। मंत्री कश्यप ग्रामीणों से अवैध कटाई और अतिक्रमण रोकने में सहयोग की अपील की और अधिकारियों को ऐसे मामलों पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए।

वनमंडलाधिकारी ने बताया कि पिछले दो वर्षों में संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से ग्रामीणों को आयमूलक कार्यों से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत 892 हितग्राहियों की 1237 एकड़ भूमि में 11 लाख 88 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जिससे भविष्य में उन्हें निश्चित आमदनी होगी।

वनमंडल क्षेत्र में 5 वनधन केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहाँ कोदो, कुटकी, रागी जैसी लघु वनोपजों का प्रसंस्करण कर स्व-सहायता समूहों को सतत लाभ मिल रहा है। पिछले दो वर्षों में 714 क्विंटल मिलेट्स का प्रसंस्करण किया गया है। वनमंडल में 50 हेक्टेयर तिखुर की खेती की गई है और इसे 5000 हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले वर्ष 500 हेक्टेयर वनौषधि रोपण भी किया गया था। इसी तरह तेन्दूपत्ता संग्राहकों को भी विभाग की योजनाओं से लाभ मिला है। 29 हजार 565 संग्राहकों को 7.04 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक डीबीटी के माध्यम से दिया गया है। साथ ही, राजमोहिनी देवी बीमा योजना के तहत 6 मामलों में 7.33 लाख रुपये तथा छात्रवृत्ति योजना के तहत 81 विद्यार्थियों को 9.62 लाख रुपये की सहायता दी गई है। पिछले दो वर्षों में विभागीय कार्यों में लगे श्रमिकों को औसतन 2000 श्रमिक प्रति माह को रोजगार मिला है।

दीपेश्वरी ने कबीरधाम जिले का नाम किया रोशन

रायपुर। कबीरधाम जिले की प्रतिभाशाली बेटी दीपेश्वरी ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले का मान बढ़ाया है। उन्होंने राष्ट्रीय कूडो टूर्नामेंट 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। उनकी इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने उन्हें सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कलेक्टर ने कहा कि कबीरधाम जिले की बेटियाँ आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। दीपेश्वरी की यह सफलता पूरे जिले और प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत और लगन से प्रेरणा लेकर जिले के अन्य युवा खिलाड़ी भी खेल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल करेंगे। खेल प्रतिभाओं के प्रोत्साहन हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन एवं मंच उपलब्ध कराकर उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के अवसर दिए जा रहे हैं।

पाटन- दुर्ग में खेलो इंडिया अस्मिता साइक्लिंग सिटी लीग का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय खेल प्राधिकरण एवं साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित खेलो इंडिया अस्मिता साइक्लिंग सिटी लीग का आयोजन साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफछत्तीसगढ़ द्वारा 8 नवंबर को पाटन दुर्ग में किया गया।

नरेंद्र कुमार बंछोर अध्यक्ष बीएसपी साइक्लिंग क्लब एवं परविंदर सिंह, अध्यक्ष बीएसपी साइकिल पोलो क्लब ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस प्रतियोगिता में 150 बालिका एवं महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद दुर्ग लोकसभा क्षेत्र एवं मुख्य संरक्षक साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जितेंद्र वर्मा (प्रदेश मंत्री, भारतीय जनता पार्टी) ने किया वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप मे पवन शर्मा (डायरेक्टर, मां शारदा एजुकेशन सोसाइटी), सुधीर बंसल उपाध्यक्ष साइकलिंग एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़, नीलम राजेश चंद्राकर (जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति), कल्पना नारद साहू (जिला पंचायत सदस्य) कीर्ति नायक (जनपद अध्यक्ष), कमलेश वर्मा (जनपद उपाध्यक्ष), माननीय निक्की भाले (नगर पंचायत अध्यक्ष), राजेश चंद्राकर (सांसद प्रतिनिधि), नरेंद्र कुमार बंछोर (अध्यक्ष, बीएसपी साइक्लिंग क्लब) सुभाष तिनगुरिया (उपाध्यक्ष साइकलिंग एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़), परविंदर सिंह (उपाध्यक्ष, साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ दुर्ग डिस्ट्रिकट) डॉ रमेश श्रीवास्तव (अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ) रहे।

समाज को आगे बढ़ाने शासकीय योजनाओं के प्रति रहे जागरूक, योजनाओं का उठाए लाभ : मंत्री यादव

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सामुदायिक भवन, सोलर लाइट की घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग मंत्री गजेन्द्र यादव महाकुल यादव समाज के तत्वावधान में ग्राम कण्डोरा में आयोजित गोकुलाष्टमी पूजा महोत्सव 2025 में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। महोत्सव के शताब्दी वर्ष में शामिल होकर मंत्री यादव ने आयोजन के 100 वर्ष पूर्ण होने पर यादव समाज को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार मंत्री यादव ने सामुदायिक भवन निर्माण एवं सोलर लाइट स्थापना की घोषणा की। साथ ही कार्यक्रम में आए कीर्तन मंडली को स्वेच्छानुदान राशि प्रदान करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम की शुरुआत में मंत्री श्री यादव ने गौमाता की विधि विधान से पूजन कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इससे पहले यज्ञ नगर गोकुल धाम कंडोरा में मंत्री यादव का हेलिकॉप्टर के माध्यम से आगमन हुआ।

हेलीपैड पर जिला प्रशासन की तरफसे कलेक्टर रोहित व्यास एवं एसएसपी शशि मोहन सिंह ने स्वागत किया। साथ ही महाकुल यादव समाज के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर एवं संकीर्तन मंडली के सदस्यों ने मांदर की धुन पर थिरकते हुए बड़े उत्साह के साथ मंत्री श्री यादव का स्वागत किया। इस अवसर पर गोकुलाष्टमी पूजा महोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्म जगेश्वर राम यादव ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रान्ताध्यक्ष महाकुल यादव समाज परमेश्वर यादव, विधायक पत्थलगांव गोमती साय, जिला पंचायत अध्यक्ष जशपुर सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जुदेव, वरिष्ठ नागरिक विक्रमादित्य सिंह जुदेव, उपेन्द्र यादव, सुनील गुप्ता सहित भारी संख्या में यादव समाज के पदाधिकारी एवं आम नागरिक मौजूद रहे।

इस अवसर पर मंत्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यादव समाज प्राचीन और गौरवशाली परंपरा के लिए जाना जाता है। गोकुल महोत्सव भगवान श्री कृष्ण की आराधना का पर्व है जिसे सभी समाज मिलजुलकर मनाते हैं। यह पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ प्रकृति के प्रति आदर और सम्मान का भाव भी सिखाता है। यह उत्सव यादव सहित सभी समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करता हैं। उन्होंने समाज के सदस्यों को कहा की समाज को आगे लाने के लिए समन्वय एवं जागरूकता के साथ कार्य करना होगा। इसके लिए शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक रहकर उनका लाभ लेने के लिए भी आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सम्मेलनों में युवाओं को कृषि योजना, पशुपालन, उन्नत खेती एवं स्वरोजगार जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के प्रति जागरूक कर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे पीएम आवास, राशन कार्ड, मनरेगा, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड एवं श्रमिक कार्ड आदि के बारे में जागरूक रहकर इन योजनाओं के लाभ लेने के लिए जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जशपुर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गृह जिला है। प्रदेश सहित जशपुर जिले में भी लगातार विकास के कार्य किया जा रहे हैं। नालंदा परिसर, मेडिकल कॉलेज, फिजियोथैरेपी कॉलेज, ऑडिटोरियम, सत्य साईं हॉस्पिटल एवं मातृ शिशु अस्पताल भी जशपुर जिले में बनने जा रहा है। जिससे जिलेवासियों को निश्चित तौर पर अधिक बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होंने यादव समाज की आस्था एवं परंपरा को हमेशा बनाए रखने के लिए इष्ट देव भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति अपने घरों में रखने तथा लड्डू गोपाल को वस्त्र, भोग एवं स्नान करने की भी अपील की। जिससे भगवान के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ेगी। साथ ही समाज के सदस्यों को उनका आशीर्वाद मिलता रहेगा। इस अवसर पर सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और विधायक पत्थलगांव गोमती साय ने कहा की गोकुल अष्टमी का पर्व सभी समाज का पर्व है। इसे सभी समाज के लोग मिलजुल कर मनाते हैं। साथ ही महोत्सव में एक साथ समय व्यतीत करते हैं, इससे सामाजिक सौहार्द्र एवं संस्कृति का विस्तार होता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सोशल मीडिया पर चाकू-तलवार के साथ फोटो पोस्ट करने वाले 7 आरोपी पकड़ाए

भिलाई। जिला पुलिस ने अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए अभियान चलाया है। इसके तहत कुल 78 असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की। इसी तरह सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ पोस्ट करने वाले 7 अकाउंट होल्डर पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर सबक सिखाया। शराब पीकर अड्डेबाजी करने वाले 14 लोगों पर भी कार्रवाई की। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि अभियान के तहत सोशल मीडिया में चाकू, तलवार के साथ फोटो अपलोड करने पर खुर्सीपार में 7 आरोपी शेख अलराज, रवि विश्वकर्मा, अरबाज अली, एस वामसी राव, आसिफ अली, अवनीश, मोहित बंजारे के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। एमाजौन व फ्लिपकार्ट जैसी अन्य कमर्शियल साइटों के माध्यम से घातक हथियार मंगाकर आम लोगों को डराने या धमकाने वालों की धरपकड़ की गई। अंजोरा चौकी से 2 और मोहन नगर में 1 आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की गई। सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीकर अड्डेबाजी करने वाले 9 आरोपियों को पकड़ा, जिसमें उतई से 4, सुपेला से 4 और पद्मनाभपुर से 1 आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा 78 लोगों के विरुद्ध 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई। इसमें भिलाई 3 थाना से 10, खुर्सीपार से 7, छावनी से 4, सुपेला से 8, वैशाली नगर से 4, भिलाई नगर से 5, नेवई से 4, मोहन नगर से 4, दुर्ग से 6, पद्मनाभपुर से 3 सहित अन्य थाना क्षेत्र में कार्रवाई की गई। एक आरोपी ने हाथ में तलवार लेकर फोटो पोस्ट की थी तो दूसरे ने कमर पर चाकू।

रायगढ़ में जंगल से निकलकर रोड पर पहुंचे 25 हाथी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पिछले दो दिनों से घरघोड़ा-रायगढ़ रोड पर हाथियों का झूंड आ रहा है। हाथी जंगल से निकलकर रोड पर काफी देर तक चहलकदमी करते हैं। इसके कुछ देर बाद वापस जंगल की ओर चले जा रहे हैं। इसमें नर-मादा के साथ शावक भी हैं। 12 नवंबर की शाम हर दिन की तरह इस रोड पर लोगों का आना-जाना लगा हुआ था। ट्रक-डंपर के साथ बाइक सवार भी इस रोड से गुजर रहे थे, लेकिन तकरीबन साढ़े चार बजे 25 हाथियों का झुंड सामारूमा के जंगल से निकलकर रोड पर आ गया। जिसके बाद दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। हाथियों के दल की जानकारी वन अमले को लगी, तो मौके पर वनकर्मी और काफी संख्या में आसपास के ग्रामीण वहां पहुंच गए। इसके बाद दोनों ओर से वाहनों को रोक दिया गया। हाथी का झुंड काफी देर तक घरघोड़ा-रायगढ़ मेन रोड पर खड़ा रहा। कुछ हाथी सड़क नीचे तो कुछ ऊपर थे। इस दौरान लोगों ने उनका वीडियो भी बनाया। इसके बाद वे वापस जंगल की ओर चले गए। बताया जा रहा है कि 11 नवंबर की शाम को भी यही हाथी का दल सड़क पर काफी देर तक खड़ा रहा। इस संबंध में तमनार रेंजर विजेंद्र कुमार ने बताया कि शाम के समय 25 हाथियों का दल सड़क पर आया था। जिसकी निगरानी वन अमला द्वारा की जा रही थी।

साइबर फ्रॉडः पैसे दोगुना करने के नाम पर ठगी करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

दंतेवाडा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, मध्यप्रदेश से गिरफ्तार हुए आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में लगातार सोसल मीडिया के माध्यम से लोगों को एड के माध्यम से पैसा दुगना देने के नाम पर उनके साथ फ्रॉड किया गया, जिसका मामला दर्ज होने के बाद पुलिस की अलग अलग टीम ने मध्यप्रदेश के अलग अलग जगहों से गिरफ्तार दंतेवाड़ा लाया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरके बर्मन ने बताया कि साइबर फ्रॉड केस में दंतेवाडा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, आरोपियों के द्वारा फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया साइट्स पर एड चला कर लोगों को ज्यादा मुनाफा का लालच देकर फ्रॉड करते थे, वही फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन एनालिसिस एवं साइबर फारेंसिक टूल्स का उपयोग कर दंतेवाड़ा पुलिस आरोपी तक पहुँची है। पुलिस द्वारा प्रार्थी से पूछताछ कर एवं बैंक जानकारी लिया गया, किरंदुल, गीदम एवं बचेली थाना के अपराधियों को पकड़ने के लिए थाना प्रभारी संजय यादव ने एक संयुक्त टीम बनाकर मध्य प्रदेश के अनूपपुर, भोपाल, उज्जैन एवं इटारसी जिलों के लिए भेजा गया था, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन एनालिसिस एवं साइबर फारेंसिक टूल्स उपयोग कर जानकारी के आधार पर चार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी फेसबुक एवं इंस्टाग्राम में फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट का एड डालते थे, जिसमें लोगों को ज्यादा रिटर्न्स का लालच देकर उनके साथ फ्रॉड करते थे, फ्रॉड से मिले राशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर साक्ष्य छिपाने का काम करते थे, दंतेवाडा पुलिस ने 100 से ज्यादा अकाउंट के ट्रांजेक्शन का जांच कर साइबर फारेंसिक टूल्स का उपयोग कर आरोपियों तक पहुंची और उन्हें गिरफ्तार किया गया, आरोपियों को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर रिमांड पर भेजा गया ह दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा लगातार नगरवासी व ग्रामीणो से जन सम्पर्क कर मोबाईल सायबर, क्राईम संबंधी बैकिंग फ्रॉड्स, सायबर ठगी पार्ट टाईम-जॉब धोखाधड़ी, मोबाईल ओटीपी लिंक शेयर न करने इत्यादि सायबर क्राईम से बचने जानकारी दी जा रही है, तथा किसी प्रकार की फ्रांड होने पर सायबर हेल्प लाईन नंबर 1930 पर कॉल कर पुलिस को सूचित करने की बात कही गई है।

गिरफ्तार आरोपियों में रोशन लाल खरे निवासी भोपाल 24 वर्ष, सचिन साहू निवासी भोपाल 24 वर्ष, अमन अजवानी निवासी देवास 32 वर्ष व अंकित तिवारी निवासी अनूपपुर 26 वर्ष शामिल हैं।

सीट के नीचे स्पेशल चेंबर बनाकर छिपा रखे थे करोड़ों की नगदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद पुलिस ने बुधवार को नाकाबंदी कर बालोद-दुर्ग मुख्य मार्ग पर पड़कीभाट बायपास के पास महाराष्ट्र पासिंग क्रेंटा कार (एमएच 04 एमए 8035) से लगभग 3 करोड़ रुपए बरामद किया। पुलिस ने कार सवार पटेल अलपेश कुमार (गुजरात), अशोक गाड़गे (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि कार में पैसे लेकर दो व्यक्ति कहीं जा रहे हैं। गुंडरदेही क्षेत्र में पुलिस चेकिंग के दौरान कार को तेज गति से चलाकर दोनों भागने का प्रयास कर रहे थे। बालोद पुलिस ने नाकाबंदी कर बालोद-दुर्ग मुख्य मार्ग स्थित पड़कीभाट बायपास के पास कार को रुकवाकर तलाशी ली। सीट के नीचे गुप्त चैम्बर में 3 करोड़ छिपाकर रखे थे। जिसे पुलिस ने बरामद किया। जिसके बाद एसपी योगेश पटेल और एसडीओपी देवांश सिंह राठौर की मौजूदगी में बालोद थाने में मशीन से गिनती की गई। एसडीओपी राठौर ने बताया कि कार में सवार दोनों व्यक्ति पैसे को कहां से कहां ले जा रहे थे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। आगे जांच जारी है। कोतवाली थाना बालोद में धारा 106 एवं 184 क (4) एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई कर आयकर विभाग को इस मामले की सूचना दी गई है।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, नाबालिग से वर्चुअल की शादी, अश्लील वीडियो बनाकर करता रहा ब्लैकमेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर के थाना दुलदुला क्षेत्र में वर्ष 2021 में घटित एक सनसनीखेज मामले में पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी दिलीप चौहान (उम्र 29 वर्ष) को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। यह वही मामला है, जिसमें आरोपी कुंदन राज नामक युवक ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक नाबालिग बालिका से दोस्ती कर मोबाइल फोन पर ही वर्चुअल शादी की थी, और वीडियो कॉल के जरिए अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया था।

पुलिस के अनुसार, वर्ष 2021 में बिहार निवासी कुंदन राज ने सोशल मीडिया के जरिए जशपुर की एक 17 वर्षीय नाबालिक लड़की से दोस्ती की। उसने पहले अपनी घायल कलाई की तस्वीर भेजकर सहानुभूति हासिल की और फिर वीडियो कॉल पर बातचीत शुरू कर दी। कुछ समय बाद उसने मोबाइल पर ही शादी का नाटक किया और सुहागरात के बहाने वीडियो कॉल पर लड़की के अश्लील वीडियो बना लिए।

जब पीड़िता ने आगे अश्लील वीडियो बनाने से इंकार किया, तो आरोपी ने धमकी दी कि पुराने वीडियो को वायरल कर देगा। ब्लैकमेल के तहत आरोपी कुंदन ने पीड़िता को यह कहकर मजबूर किया कि वह उसके एक दोस्त को भेज रहा है, और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए वीडियो कॉल पर देखना चाहता है।

सुहागरात मनाने के नाम पर किया दुष्कर्म

अक्टूबर 2021 में आरोपी कुंदन राज के कहने पर उसका साथी दिलीप चौहान नाबालिक पीड़िता के पास पहुंचा। उसने अपना नाम दीपक यादव बताकर पहचान छिपाई और पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

पूरा कृत्य वीडियो कॉल के माध्यम से कुंदन राज देख रहा था।

बाद में आरोपी ने पीड़िता का वीडियो उसकी बड़ी बहन को भेज दिया, जिससे वह भयभीत होकर चुप रही। अंततः साहस जुटाकर उसने अपनी बहन के साथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस की सतर्क कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना दुलदुला में आरोपियों के विरुद्ध भा.द.वि. की धारा 294, 506, 354(क)(ग), 376(2)(एन), 509(ब) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6, 12 एवं आईटी एक्ट की धारा 67(ब) के तहत अपराध दर्ज किया गया। वर्ष 2022 में पुलिस ने मुख्य आरोपी कुंदन राज को पटना (बिहार) से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उसके मोबाइल से अश्लील वीडियो भी बरामद किए गए। वहीं, उसका साथी दिलीप चौहान घटना के बाद से फरार था और लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस की साइबर टीम और मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी लोकेशन गोवा में मिली थी, लेकिन वह वहां से भी फरार हो गया था। अंततः कुनकुरी क्षेत्र से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

सुबूत मिलने पर आरोपी की हुई गिरफ्तारी

कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष कराई गई पहचान कार्यवाही में पीड़िता ने आरोपी दिलीप चौहान को पहचान लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि यह मामला सोशल मीडिया के दुरुपयोग और नाबालिक बालिकाओं को ब्लैकमेल कर अपराध करने का गंभीर उदाहरण है। पुलिस ने इस प्रकरण में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साइबर सेल और थाना दुलदुला टीम की सराहनीय भूमिका रही।

आयुष्मान भारत योजना के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने पर महासमुंद जिले के तीन निजी अस्पतालों को योजना से तीन माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। इन अस्पतालों में महानदी हॉस्पिटल (महासमुंद), सेवा भवन हॉस्पिटल (ग्राम जगदीशपुर, पिथौरा) और अंबिका हॉस्पिटल (ग्राम खरखरी, सरायपाली) शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव ने बताया कि निलंबन अवधि के दौरान इन तीनों

अस्पतालों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत इलाज की सुविधा नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पात्र मरीजों को निर्धारित पैकेज के अनुसार निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जानी चाहिए, लेकिन इन अस्पतालों द्वारा दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा था। डॉ. राव ने बताया कि यदि कोई पंजीकृत अस्पताल आयुष्मान कार्डधारी मरीजों का निःशुल्क इलाज करने से मना करता है या योजना के नियमों का उल्लंघन करता है, तो इसकी शिकायत टोल फ्री नंबर 104 पर की जा सकती है। साथ ही नागरिक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय अथवा खण्ड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में भी लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी टोल फ्री नंबर पर प्राप्त की जा सकती है।

53 किलो गांजा के साथ 2 को किया गिरफ्तार

जगदलपुर। जगदलपुर शहर की बोधघाट पुलिस ने आड़ावाल इलाके से दो युवकों को 53 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है जिन दो युवकों को गिरफ्तार किया है उनमें एक युवक पश्चिम बंगाल है तो दूसरा युवक ओडिशा का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सुचना मिली थी कि दो युवक अपने पास गांजा रखे हुए हैं। इसके बाद आड़ावाल इलाके से रफी शेख उम्र 37 वर्ष निवासी मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल और बबूला पांगी व्यापारी गुड़ा ओडिशा को गंजा के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत करीब 531700 रुपए आंकी गई है। दोनों युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

घर के सदस्यों को रस्सी से बांधकर की लूट , इलाके में मचा हड़कप.....

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत लगभग जिले से 10 किलोमीटर दूर ग्राम तराईडांड में शत्रुघ्न दास का परिवार निवास करता है जहां शत्रुघ्न दास घर पर राशन दुकान का संचालन करता है इसके अलावा खेती किसानी भी करता है।

बताया जा रहा है कि शत्रुघ्न दास के परिवार में बेटा बहू और भाई समेत लगभग 11 सदस्य हैं जो रात 10 बजे के बाद सभी अपने-अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। रात लगभग 1:00 बजे उसके घर के पीछे हिस्से से दीवार बांधकर लगभग 10 से 15 लोग घर के अंदर घुसे जिनके पास धारदार हथियार था शत्रुघ्न दास को लगा कि कोई कुत्ता या जानवर होगा जो अंदर आया होगा और वह कमरे से बाहर निकल कर देखा तो हथियार ले कर लोग खड़े हुए थे । उन्हें हथियार की नोक पर आवाज देने या किसी भी तरह की हरकत करने पर जान से मारने की धमकी देने लगे सभी को हथियार की नोक पर रस्सी से बांध दिया। और घर पर रखें लगभग डेढ़ लाख नगदी रकम समेत सोने चांदी के जेवरात समेत सब ले भागे। रात 3:00 बजे लगभग किसी तरह सभी ने एक दूसरे के सहयोग से रस्सी को खोला और गांव वालों को इसकी जानकारी दी इसके बाद हड़कंप मच गया।

इसकी शिकायत सुबह होने पर संबंधित बालको थाना पुलिस को दी गई। जहां उच्च अधिकारियों को निर्देश पर कोरबा सीएसपी भूषण एक्का मौके पर पहुंचे और जांच कार्रवाई शुरू की जहां शत्रुघ्न दास और उनके परिजनों का बयान दर्ज किया गया। इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर ने बताया कि मकान मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

चचेरे भाई ने ही दी थी 20 हजार की सुपारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले के पखनार थाना क्षेत्र में एक चचेरे भाई ने अपने ही भाई की हत्या जादू टोना के शक में करवा दिया, वही इस घटना को सड़क हादसे का रूप भी दिया गया, लेकिन पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग ने बताया कि 4 नवंबर की रात्रि 9 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम गुमड़पाल केलाऊर के बीच मेन रोड में एक व्यक्ति कमलू पोयामी का शव देखा गया है, जिसे एक सड़क हादसा माना जा रहा था, प्रार्थी सुखराम पोयामी निवासी छोटे बोदेनार ने इस मामले को लेकर एफआईआर दर्ज करवाया।

पुलिस जांच के दौरान मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों से पूछताछ से एक बात सामने आई कि मृतक के चचेरे भाई हिडमा पोयामी एवं उसकी बहु पालो पोयामी द्वारा अपने रिश्तेदार प्रवीण मड़काम उर्फ सुनील उर्फ बोके निवासी बीजापारा साड़रा बोदेनार को 20,000 हजार रूपये देकर कमलू पोयामी की हत्या कराई गई है, पुलिस ने इन मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी प्रवीण मड़काम उर्फ सुनिल उर्फ बोकें को पता तलाश कर गिरफ्तार किया गया । आरोपी प्रवीण ने बताया कि चचेरे भाई हिडमा पोयामी एवं उसकी बहु पालो पोयामी को शक था कि मृतक के द्वारा जादू टोना करते हुए घर मे देव बैठाता था, जिससे कि उनके घर मे लोगो को काफी परेशानी हो रही थी, वही पालो के पति का भी जादू टोना के चलते मौत हो गई थी, चचेरा भाई हिड़मा व बहु पालो ने प्रवीण को 20 हजार रुपए देकर कमलू को मरवाने की योजना बनाई, प्रवीण ने कमलू पोयामी को योजनाबद्ध तरीके से अपने साथ मोटरसाइकिल में बिठाकर अपने साथ ले गया, आधे रास्ते मे गाड़ी का पैट्रोल खत्म होने की बात कहते हुए पैदल चलने को कहा, कमलू पैदल आगे बढ़ा की पीछे से प्रवीण के फरसा से हमला कर उसकी हत्या कर दी, इस घटना में उपयोग किये गए फरसे को जब्त कर लिया गया है, वही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया । पुलिस ने इस मामले से जुड़े सभी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ज्वैलरी चोरी के आरोपी की मौत पर खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रामानुजगंज। बलरामपुर में हाल ही में धनंजय ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी के मामले में बलरामपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसी मामले के एक अन्य आरोपी उमेश सिंह की मौत ने जिला मुख्यालय में तनाव की स्थिति पैदा कर दी थी। चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए उमेश सिंह को पुलिस थाना बलरामपुर ला रही थी, तभी रास्ते में उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। पुलिस द्वारा तत्काल उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। जांच के दौरान सामने आए दस्तावेजों के अनुसार, मृतक उमेश सिंह वर्ष 2022 से लेकर वर्ष 2025 तक कुल 34 बार अंबिकापुर और अन्य अस्पतालों में भर्ती होकर उपचार करवा चुका

था। उमेश सिंह को सिकल सेल एनीमिया सहित कई अन्य गंभीर बीमारियां थीं, जिनका इलाज वह नियमित रूप से करवाता रहा था। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि मृतक की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उसकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई प्रतीत होती है। फिलहाल मामले की संपूर्ण जांच मेडिकल और मजिस्ट्रियल स्तर पर कराई जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की शंका या अफवाह की स्थिति न बने।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

// निविदा निरस्त करने हेतु संशोधन सूचना //

इस कार्यालय की निविदा सिस्टम क्रं. 249/177857 ज्ञाप क्रं. 7819/सा./2025 दुर्ग दिनांक 11.11.2025 जिसका जी क्रं. 252604705 का अपरिहार्य कारणो से निविदा निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग,
दुर्ग मण्डल दुर्ग

G- 252604705/4 दूरभाष - 0788-2210879

सुधार से विश्वास तकः चारों श्रेणियों में 'टॉप अचीवर' बना छत्तीसगढ़, दिखाया विकास का नया मॉडल

DPIIT की BRAP रैंकिंग में 'टॉप अचीवर' बना छत्तीसगढ़, निवेशकों के लिए भरोसे का केंद्र बना राज्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर देशभर में अपनी पहचान सुधार और विकास के नए प्रतीक के रूप में दर्ज कराई है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग , भारत सरकार द्वारा आयोजित 'उद्योग संगम' में राज्य को बिज़नेस रिफॉर्म एक्शन प्लान की चारों प्रमुख श्रेणियों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ अब न केवल नीति निर्माण में बल्कि नीति क्रियान्वयन में भी अग्रणी राज्यों की पंक्ति में शामिल हो चुका है। यह उपलब्धि उस परिवर्तन यात्रा की गवाही है जो छत्तीसगढ़ ने बीते वर्षों में तय की है। कभी BRAP रैंकिंग में निचले पायदान पर रहने वाला यह राज्य आज गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। यह परिवर्तन केवल अंकों का सुधार नहीं, बल्कि शासन की सोच और दृष्टिकोण में आए मूलभूत परिवर्तन का परिणाम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने सुशासन, पारदर्शिता और भरोसे पर आधारित प्रशासनिक ढांचा स्थापित किया है। इस ढांचे ने न केवल निवेशकों का विश्वास जीता है बल्कि सामान्य नागरिकों के जीवन को भी सुगम और सशक्त बनाया है। राज्य सरकार ने सुधारों को केवल दस्तावेजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें जन-जीवन में उतारकर एक नए विकास मॉडल का निर्माण किया है।

राज्य ने BRAP के अंतर्गत अब तक 434 सुधार लागू किए हैं — जो 'Ease of Doing Business' के

साथ-साथ 'Ease of Living' को सशक्त बनाने की दिशा में उसके सतत प्रयासों को दर्शाते हैं। इन सुधारों का उद्देश्य केवल उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि उस वातावरण का निर्माण करना है जहाँ उद्योग, समाज और प्रशासन एक साथ प्रगति करें। इन्हीं सुधारों में एक ऐतिहासिक कदम रहा 'जन विश्वास अधिनियम', जिसके तहत छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बना जिसने छोटे कारोबारी अपराधों को डीक्रिमिनलाइज किया। इस अधिनियम ने सरकार और उद्योग जगत के बीच भरोसे का पुल बनाया है। अब कारोबारियों के लिए शासन एक सहयोगी के रूप में सामने आ रहा है। यह बदलाव राज्य में उद्यमिता संस्कृति को और अधिक प्रोत्साहन देने वाला सिद्ध हुआ है।

इसी तरह एक और ऐतिहासिक पहल के रूप में छत्तीसगढ़ ने भूमि अभिलेखों के स्वचालित म्यूटेशन की शुरुआत की। यह कदम राज्य को देश का पहला ऐसा प्रदेश बनाता है जहाँ जमीन पंजीयन के साथ ही स्वामित्व का हस्तांतरण स्वत: हो जाता है। इससे न केवल प्रक्रियाएँ सरल हुई हैं बल्कि लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से भी मुक्ति मिली है। यह सुधार पारदर्शिता, दक्षता और समय की बचत तीनों का बेहतरीन उदाहरण है।

राज्य सरकार ने औद्योगिक गतिविधियों के लिए भी कई क्रांतिकारी सुधार लागू किए हैं। दुकानों और प्रतिष्ठानों को अब 24म7 संचालन की अनुमति दी गई है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं और व्यापारिक लचीलापन भी सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त फ्लैटेड इंडस्ट्री के लिए स्वक्रमें वृद्धि, भूमि उपयोगिता बढ़ाने हेतु सेटबैक में कमी, और फैक्ट्री लाइसेंस की वैधता 10 से बढ़ाकर 15 वर्ष करने के साथ ऑटो-रिन्यूअल सुविधा प्रदान की गई है। ये कदम राज्य को आधुनिक औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करते हैं।

इन सुधारों ने मिलकर छत्तीसगढ़ को एक भरोसेमंद, स्थिर और पारदर्शी औद्योगिक केंद्र बना दिया है। अब निवेशक केवल संभावनाएँ नहीं, बल्कि निश्चितता देखते हैं। प्रक्रियाओं में सरलीकरण और नीतिगत स्पष्टता ने 'Ease of Doing Business' को वास्तविकता में बदल दिया है।

इन उल्लेखनीय सुधारों के लिए छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन और निवेश आयुक्त ऋतु सेन को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल व्यक्तियों का, बल्कि उस टीम भावना और संस्थागत प्रयासों का भी है जिसने राज्य को यह मुकाम दिलाया।

यह गौरवपूर्ण क्षण पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणादायी है। इससे यह स्पष्ट संदेश गया है कि सही नीयत, सटीक नीति और मजबूत नेतृत्व के बल पर कोई भी राज्य देश के औद्योगिक नक्शे पर अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है।

बीते 10 महीनों में ?7.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव छत्तीसगढ़ को प्राप्त हुए हैं। यह आँकड़ा किसी प्रचार का परिणाम नहीं, बल्कि निवेशकों के विश्वास और नीतिगत पारदर्शिता का प्रमाण है। अब छत्तीसगढ़ निवेश का नहीं, बल्कि 'विकास का केंद्र' बन रहा है।

इन निवेशों से हजारों युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे, ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में औद्योगिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी, और राज्य की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार होगा। यह 'विकास की श्रृंखला' गाँव से लेकर शहर तक एक समान प्रभाव छोड़ रही है।

छत्तीसगढ़ का यह मॉडल केवल उद्योगों तक सीमित नहीं है; यह एक समग्र विकास दृष्टि है जहाँ सुधारों का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुँचे। शासन की प्राथमिकता केवल निवेश नहीं, बल्कि जीवन-गुणवत्ता में सुधार है।

'Ease of Doing Business' के साथ 'Ease of Living' का यह संयोजन छत्तीसगढ़ को अन्य राज्यों से अलग बनाता है। यहाँ सुधार, विश्वास और विकास एक-दूसरे के पूरक बनकर आगे बढ़ रहे हैं। यही छत्तीसगढ़ के परिवर्तन का वास्तविक सार है।

राज्य सरकार का यह सुधारवादी दृष्टिकोण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि वह 'विकसित भारत' का अग्रदूत बनने की क्षमता रखता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का 'टॉप अचीवर' बनना पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने उद्योग, सुशासन और पारदर्शिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। छत्तीसगढ़ ने निचले पायदान से उठकर देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों की पंक्ति में स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि सरकार की प्रतिबद्धता, प्रशासन की मेहनत और निवेशकों के भरोसे का परिणाम है। छत्तीसगढ़ अब 'Ease of Doing Business' से आगे बढ़कर 'Ease of Living' का भी प्रतीक बन चुका है — जहाँ सुधार, विश्वास और विकास एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।

नवा रायपुर से चीन तकः छत्तीसगढ़ में खुला लॉजिस्टिक्स का वैश्विक द्वार

भारत के हृदय से विश्व बाजार तक – छत्तीसगढ़ बन रहा है लॉजिस्टिक्स क्रांति का नेतृत्वकर्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के तीव्र गति से विकसित होते लॉजिस्टिक्स सेक्टर में आज एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित हुआ है। छत्तीसगढ़ से अब तक का सबसे बड़ा, कुल 12,000 मीट्रिक टन कॉपर कॉन्सन्ट्रेट निर्यात कंसाइनमेंट, नवा रायपुर स्थित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क से चीन के लिए रवाना किया गया। इस श्रृंखला की पहली खेप 2,200 मीट्रिक टन की रही, जो 11 नवम्बर को विशाखापट्टनम पोर्ट के लिए भेजी गई, जहाँ से इसे आगे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाएगा।

उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विकसित यह अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, मध्य भारत के औद्योगिक और व्यापारिक विकास का नया द्वार बन रहा है। अत्याधुनिक कार्गो हैंडलिंग सिस्टम, रेल कनेक्टिविटी, और मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन से सुसज्जित यह सुविधा राज्य एवं देश के अन्य हिस्सों की औद्योगिक इकाइयों को वैश्विक बाजारों तक कुशल, सुरक्षित और तीव्र पहुँच प्रदान कर रही है।

यह उपलब्धि दर्शाती है कि छत्तीसगढ़

अब खनिज और उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था से लॉजिस्टिक्स और निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्था की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, कुशल कनेक्टिविटी और सक्रिय शासन के समन्वय ने छत्तीसगढ़ को मध्य भारत का लॉजिस्टिक्स पावरहाउस बना दिया है।

इस निर्यात अभियान के साथ छत्तीसगढ़ ने अपने खनिज और औद्योगिक उत्पादन को अंतरराष्ट्रीय व्यापार गलियारों से जोड़ने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाया है। यह कदम भारत के लॉजिस्टिक्स मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रासंगिकता को और सुदृढ़ करता है।

राज्य सरकार ने इस प्रगति को और तीव्र करने के लिए 'छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक्स नीति 2025' लागू की है। यह नीति वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लक्ष्य के साथ तैयार की गई है। नीति के अंतर्गत आधुनिक मल्टीमॉडल अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, निर्यात संवर्द्धन, और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही, लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज जैसी परियोजनाओं के लिए आकर्षक प्रोत्साहन भी प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे संतुलित क्षेत्रीय विकास और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नवा रायपुर मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क से राज्य के सबसे बड़े कॉपर कॉन्सन्ट्रेट निर्यात का शुभारंभ छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह कदम इस दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ को हम लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक शक्ति के रूप में विकसित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई राज्य लॉजिस्टिक्स नीति 2025 के माध्यम से सरकार कनेक्टिविटी बढ़ाने, निजी निवेश आकर्षित करने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि नीतिगत सुधार, रणनीतिक अवसंरचना और उद्योगों के आत्मविश्वास के इस समन्वय से छत्तीसगढ़ न केवल मध्य भारत को वैश्विक वैल्यू चेन से जोड़ रहा है, बल्कि लॉजिस्टिक्स आधारित विकास के नए युग को भी परिभाषित कर रहा है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल एवं आपदा प्रबंधन पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एन.सी.डी.सी.), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन.आई.डी.एम.), गृह मंत्रालय, भारत सरकार; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार तथा यू.एस. सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के संयुक्त तत्वावधान में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल एवं आपदा प्रबंधन व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (पी.एच.ई.डी.एम.-पी.डी.पी.) प्रशिक्षण (बैच-1) का आयोजन 10 से 12 नवम्बर तक राजधानी रायपुर में किया गया।

सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित कटारिया तथा आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में राज्य के विभिन्न विभागों के समन्वय से इस प्रशिक्षण का

आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य में एक सशक्त आपदा प्रबंधन टीम का गठन करना है। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. एस. के. पामभोई, संचालक (महामारी नियंत्रण), छत्तीसगढ़ ने की। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. शुभांगी कुलसंगे, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र; डॉ. खेमराज सोनवानी, उप-संचालक एवं राज्य निगरानी अधिकारी ; डॉ. स्मृति देवांगन, उप-संचालक, NPCCHH एवं डिजास्टर मैनेजमेंट, छत्तीसगढ़; तथा विलियम अब्राम्स, उप निदेशक, डी.जी.एच.पी., सी.डी.सी.-भारत कार्यालय उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जिला स्तर पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों और आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है। 'मेंटर्स और मेंटीज' की अवधारणा पर आधारित प्रशिक्षण में तकनीकी सत्रों, प्रश्नोत्तरी, समूह गतिविधियों, केस स्टडी और सिमुलेशन अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव दिया गया।

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने निगम की बड़ी पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने संचालक मंडल बैठक में दिव्यांगजनों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक में निगम द्वारा दिव्यांगजनों को दिए गए ऋण की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। राज्य शासन द्वारा निगम को 24.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है, जिसे राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम, नई दिल्ली को समय सीमा में वापस किया जाएगा।

दिव्यांगजनों के कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु आत्मनिर्भर दिव्यांगजन संस्था को दुकान आवंटन और परियोजना स्वीकृति के प्रस्ताव शासन को भेजे जाएंगे।इसके साथ ही 19 से 23 दिसंबर 2025 तक राज्य स्तरीय कौशल महोत्सव

आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें 1100 से अधिक दिव्यांगजन शामिल होंगे। दिव्यांगजनों के प्रकरणों को आधार से लिंक करने हेतु IDAI के सहयोग से अभियान भी चलाया जाएगा, जिससे अधिकतम लाभार्थी शासकीय योजनाओं से जुड़ सकेंगे। बैठक में निगम के सदस्य प्रदीप टंडन, सुरेश कांकरिया, जानकी गुप्ता, श्रीमती आरती त्रिवेदी, प्रमोद जैन , कम्पनी सेक्रेटरी की टीम, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट एवं निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु विशेष ट्रेन से अयोध्या के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आस्था, उल्लास और उत्साह के वातावरण में सरगुजा संभाग के 850 तीर्थयात्री श्री रामलला दर्शनयोजना के तहत अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पर जैसे ही विशेष ट्रेन रवाना होने को तैयार हुई, स्टेशन परिसर जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। हर चेहरे पर अपार खुशी और समर्पण झलक रहा था।

विशेष ट्रेन को लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने हरी झंडी दिखाकर

रवाना किया। इस दौरान महापौर मंजूषा भगत, नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने यात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। सुबह से ही स्टेशन परिसर में श्रद्धालुओं की चहल-पहल थी। किसी के हाथ में फूलों की माला थी, तो कोई प्रस्थान से पूर्व प्रार्थना में लीन दिखाई दिया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सुंदर गीत गाते हुए मंच की ओर बढ़ रही थीं। रेलवे के अधिकारी, समाज कल्याण विभाग और पर्यटन बोर्ड की टीम यात्रियों की सहायता में तत्पर थी। उप संचालक समाज कल्याण एवं नोडल अधिकारी व्ही. के. उके ने बताया कि अम्बिकापुर जिले से कुल 170 तीर्थयात्री शामिल हुए हैं। यात्रा की सुरक्षा, भोजन, आवास और चिकित्सा सुविधा की पूर्ण व्यवस्था की गई है। यह विशेष ट्रेन 15 नवम्बर को वापस अम्बिकापुर लौटेगी।

जशपुर जिले के फरसाबहार निवासी दिनेश गुप्ता ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि हमें अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी और पर्यटन मंत्री का आभार, जिन्होंने इतना सुंदर अवसर दिया। यात्रा के दौरान भोजन, आवास और सुरक्षा की व्यवस्था अद्भुत है।

अनुशासित और समय के पाबंद होंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी- राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल ने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अनुशासित और समय के पाबंद होंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। जीवन में यह पूर्णविराम नहीं है, अपनी यात्रा सभी को पूरी करनी है, गिरकर हार नही मानें, उठें और आगे बढ़े।

राज्यपाल डेका नवा रायपुर स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर, वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक वितरित किए। इस अवसर पर 150 शोधार्थियों को पीएच.डी उपाधि, 1500 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधि एवं 2500 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर

में एक पेड़ मां के नाम पर पौधा भी लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन की दूसरी पारी शुरू हो रही है। आगे का दिन उनका संघर्ष का होगा, अनेक बाधाएं आएंगी। बीते दिनों से सीख लेकर

विद्यार्थी रचनात्मकता को बढ़ाएं और नवाचार में उपयोग करें

राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राष्ट्र के विकास में युवाओं की सबसे बड़ी भागीदारी होती है। विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता को बढ़ाएं और नवाचार के लिए इसका उपयोग करें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए नीतिगत निर्णय लिए गए हैं परिणामस्वरूप उन्हें नए अवसर उपलब्ध होंगे।

योजना के साथ अपना भविष्य तय करें। किसी भी क्षेत्र में काम करें, आनंद पूर्वक जीवन गुजारें। भौतिक उपलब्धि के साथ-साथ मानसिक शांति भी होनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है। इसके लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच सतत् चर्चा होनी चाहिए। एन.ई.पी.के बारे में विद्यार्थियों को संपूर्ण जानकारी हो। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि शिक्षक और गुरू में अंतर होता है। गुरू शब्द का अर्थ विस्तृत है। आप गुरू बनिए शिक्षक नहीं, अपने अनुभव और ज्ञान से युवाओं का मार्गदर्शन करें। श्री डेका ने कहा कि विश्वविद्यालय में सकारात्मक वातावरण रखें। नवाचार पर बहुत कार्य हो रहे हैं। सरकार भी इसके लिए मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि मानव, पशु और प्रकृति के बीच में संतुलन रखना बहुत आवश्यक है। तभी हमारा अस्तित्व कायम रहेगा। हमें सतत् विकास के लिए सोचना है और एक पेड़ मां के नाम लगाना है।

श्री डेका ने विद्यार्थियों से कहा कि आप देश के भविष्य हैं, आप के योगदान से भारत 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनेगा। इस अवसर पर राज्य निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर वी.के.गोयल, कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष राजीव कुमार, कुलाधिपति संदीप अरोरा, कुलपति आर. श्रीधर, उपकुलाधिपति सज्जन सिंह, कुलसचिव तथा कलिंगा विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल के सदस्य, विभागाध्यक्ष, अध्यापकगण, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950